www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

तुम **पानी** जैसे बनो,
जो अपना रास्ता **खुद** बनाता है,
पत्थर जैसे ना बनो,
जो **दूसरों** का भी रास्ता
रोक लेता है।

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-19 ❖ मुंबई ❖ रविवार 02 से 08 मई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

13 सौ की बोतल, डेढ़ लाख की ठगी

पेज 5

तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा...सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को फटकारा, पूछा- UP पंचायत चुनाव का काउंटिंग टाला जा सकता है?

पेज 7

मैं कोविड -19 से अब ठीक हो गई हूं, लेकिन वो कठिन समय था .' ऐक्ट्रेस एकता जैन

पेज 8

कांग्रेस ने दिखाई दरियादिली... 'मुख्यमंत्री कोष में देगी ₹2 करोड़', प्रदेश कमेटी भी देगी ₹5 लाख

सख्त लॉकडाउन की जरूरत नहीं

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी शुरू कीः उद्धव

महाराष्ट्र कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है, राज्य सरकार ने संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है और इसका असर दिख भी रहा है. मुंबई में संक्रमण की दर में काफी कमी देखी गई है. इस बीच शुक्रवार को राज्य की जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारी शुरू कर दी है. उन्होंने कहा, "हम तीसरी लहर का प्रभाव महाराष्ट्र पर नहीं पड़ने देंगे. देश का कोई भी आदमी कोरोना की दूसरी लहर के लिए तैयार नहीं था., लेकिन लहर आ गई." मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वैक्सीन की उपलब्धता के

आधार पर 1 मई से तय कार्यक्रम के मुताबिक टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होगा. उद्धव ने कहा कि मैंने उद्योगपतियों से बात की है और उन्हें बताया है कि भविष्य में क्या होने वाला है और तीसरी लहर से निपटने के लिए क्या तैयारी करनी होगी. सीएम ठाकरे ने कहा, "हमने प्रतिबंधों और लॉकडाउन के जरिए कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण पा लिया है. हमारा अनुमान था कि राज्य में 10 लाख पॉजिटिव एक्टिव केस हो सकते हैं, लेकिन अभी यह 7 लाख के करीब है." लॉकडाउन के मसले पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रदेश में सख्त लॉकडाउन लगाने की जरूरत नहीं और राज्य के लोग कोविड व्यवहार का पालन कर रहे हैं. राज्य में रेमडेसिविर की किल्लत पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजाना की जरूरत 50,000 शीशियों की है, लेकिन केंद्र सरकार ने हमें शुरुआत में 26,700 शीशियां दी थीं. बाद में हमने प्रधानमंत्री से और सप्लाई की मांग की. उन्होंने कहा कि अभी हमें 43,000 शीशियां उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है, लेकिन वास्तव में हमें 35,000 शीशियां ही मिल रही हैं और हम इसका भुगतान कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ने लोगों को चेताया कि गैर जरूरी मामलों में रेमडेसिविर का उपयोग ना करें और डॉक्टर की सलाह पर ही कोई फैसला लें.

इसके अलावा ऑक्सीजन की कमी पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य के पास 1200 मीट्रिक टन ऑक्सीजन के उत्पादन की क्षमता है. लेकिन हम रोजाना 1700 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन का उपयोग कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं, समय पर ऑक्सीजन का ट्रांसपोर्ट एक से दूसरी जगह कर सकें, लेकिन संक्रमण के मामले बढ़ते रहे तो समस्या हो सकती है.

15 मई तक बढ़ी संचारबंदी!...

राज्य सरकार ने जारी किया आदेश

मुंबई, पिछले कई दिनों से राज्य में लागू संचारबंदी को लेकर चल रही तरह-तरह की चर्चाओं पर कल पूर्ण विराम लग गया। महाराष्ट्र सरकार ने वर्तमान में शुरू संचारबंदी को १५ मई तक बढ़ाने का आदेश कल जारी किया है। राज्य सरकार की ओर से जारी इस आदेश के अनुसार संचारबंदी १५ मई की सुबह ७ बजे तक लागू रहेगी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए संकेत दिया था कि १५ दिन या उससे अधिक अवधि तक संचारबंदी बढ़ाई जा सकती है। कल राज्य सरकार ने इस संबंध में स्वतंत्र आदेश जारी करके राज्य में १५ मई तक संचारबंदी लागू रहेगी, ऐसा घोषित किया है। राज्य में कोरोना मरीजों और मृतकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य में संचारबंदी १ मई तक लगाई थी लेकिन बुधवार की कैबिनेट की बैठक में सभी मंत्रियों ने एकमत से संचारबंदी बढ़ाने का आग्रह किया था। इसी के मद्देनजर कल राज्य सरकार की ओर से १५ मई तक संचारबंदी बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है।

खाकी ने दिखाई दरियादिली!

मानसिक रोगी मां और बच्चे को परिवार से मिलाया

मुंबई, जुहू इलाके में एक महिला अपने साढ़े तीन वर्षीय बेटे को गोद में लेकर सड़क के किनारे बैठी थी।

कभी वह बच्चे को मारती और फिर अचानक वह अपनी बाहों में भरकर रोती रहती। लड़का उसकी गोद में लेटा था। किसी तरह यह जानकारी जुहू पुलिस को मिली तो वह १८ अप्रैल की रात मौके पर पहुंची। महिला की दयनीय हालत देखकर पुलिस भी द्रवित हो गई। मानसिक रूप से बीमार महिला और उसके बच्चे की पुलिस ने देखभाल करने के बाद उसके परिवार को खोज निकाला और उससे मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिक अदा की।

पता चलने के बाद जुहू पुलिस की टीम दोनों मां-बच्चे को अस्पताल ले गई। वहां मौजूद डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा कुछ दिनों से भूखा था इसलिए वह कमजोरी की अवस्था में था। अस्पताल में ईलाज के बाद महिला और बच्चे को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और महिला होने के नाते पुलिस उप-निरीक्षक पूनम मिरगणे को दोनों का खयाल रखने की जिम्मेदारी दी गई।

संचारबंदी होने के नाते पुलिस ने किसी तरह दोनों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की। भूख के कारण बच्चा खाना खा रहा था जबकि मां खाने को फेंक रही थी, क्योंकि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था।

जुहू पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत माने को सूचित करने के बाद मिरगणे के साथ महिला पुलिसकर्मी सुर्वे, झोरे, जाधव, गोसावी, कांबले और देशमुख, कदम, डावरे, पाटील, सस्ते और सेंगल की टीम ने महिला के परिजनों को ढूंढने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

तीसरी बार दीदी सरकार!

कोरोना महामारी के बावजूद भाजपा ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में अपना पूरा दमखम दिखाया लेकिन भाजपा पस्त होती नजर आ रही है। हर जगह से पार्टी बेदखल होती दिख रही है। बंगाल में तो कमल मुरझानेवाला है जबकि दो बार से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी अर्थात दीदी का दम तीसरी बार फिर से दिखा है। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव २०२१ के आठवां और अंतिम चरण का मतदान कल समाप्त हो गया। वोटिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद अलग-अलग एग्जिट पोल के नतीजे आने शुरू हो गए हैं। विधानसभा चुनाव पांच राज्यों में हुए हैं लेकिन सबकी नजरें पश्चिम बंगाल पर हैं। एग्जिट पोल के नतीजों में भी सबसे ज्यादा चर्चा बंगाल की हो रही है। अभी तक आए ज्यादातर सर्वे में ममता बनर्जी की वापसी होती हुई दिख रही है जबकि भाजपा पोल से 'एक्जिट' होती हुई नजर आ रही है। ऐसे में २ मई को नतीजे अगर एग्जिट पोल के मुताबिक आते हैं तो राज्य में टीएमसी अर्थात तीसरी बार दीदी की सरकार बनेगी।

टाइम्स नाऊ-सी वोटर के सर्वे ने ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को १५८ सीटें मिलने की संभावना है, वहीं भाजपा को ११५ और कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन को १९ सीटें मिलती हुई नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की २९४ सीटें हैं लेकिन चुनाव २९२ सीटों पर हुआ है। इस हिसाब से पूर्ण बहुमत के लिए १४७ सीटों की जरूरत होगी। टाइम्स नाऊ-सी वोटर के सर्वे में टीएमसी को १५८ सीटें मिली हैं। अगर नतीजे भी ऐसे ही आते हैं तो ममता बनर्जी की सरकार बननी तय है। हालांकि सी वोटर ने अपने सर्वे में ९६ सीटों को एक्स पैक्टर करार दिया है।

एक्जिट पोल के हर सर्वे में टीएमसी सरस नजर आ रही है। टीवी ९ भारतवर्ष और पोलस्ट्रेट के सर्वे में टीएमसी की सरकार बनती नजर आ रही है। टीवी ९ भारतवर्ष-पोलस्ट्रेट सर्वे के मुताबिक टीएमसी को १४२-१५२, भाजपा को १२५-१३५ और कांग्रेस-वाम दलों के गठबंधन को १६ से २६ सीटें मिलती हुई नजर आ रही हैं, वहीं टाइम्स नाऊ-सी वोटर के सर्वे में भाजपा को ११५, टीएमसी को १५८ और कांग्रेस-वाम दल गठबंध को १९ सीटें मिल सकती हैं। रिपब्लिक-सीएनएक्स के एग्जिट पोल के मुताबिक टीएमसी को १२८-१३८, भाजपा को १३८-१४८ और लेफ्ट-कांग्रेस को गठबंधन के खाते में ११-२१ सीटें जा रही हैं, वहीं एबीपी-सीवोटर का एग्जिट पोल टीएमसी को १५२-१६४, भाजपा को १०९-१२१ और कांग्रेस-वाम गठबंधन को १४-२५ सीटें मिलने की संभावना है।

असम में कांग्रेस-भाजपा में कांटे की टक्कर

कोरोना के कहर के बीच २ मई को असम विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा होगी, इससे ठीक पहले एबीपी न्यूज के लिए सी वोटर ने सर्वे किया है। इस एग्जिट पोल के मुताबिक विधानसभा की कुल १२६ सीटों में भाजपा गठबंधन को ५८ से ७१ सीटें और कांग्रेस गठबंधन को ५३ से ६६ सीटें मिल सकती हैं। राज्य में किसी भी एक दल या गठबंधन को सरकार बनाने के लिए ६४ सीटों की जरूरत होती है, यानी राज्य में कांग्रेस और भाजपा गठबंधन में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता तय करेंगे पार्टी का नेतृत्व किसे करना चाहिए-राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि वह पार्टी के भीतर आंतरिक चुनावों के पक्षधर हैं और कार्यकर्ता ही यह तय करेंगे कि पार्टी का नेतृत्व किसे करना चाहिए। गांधी ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी उनसे जो भी कहेगी, वह करेंगे। राहुल गांधी ने पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि पार्टी के भीतर संगठनात्मक चुनाव समय पर होंगे, लेकिन अभी जरूरत इस बात की है कि जीवन बचाया जाए और महामारी को नियंत्रित किया जाए। कांग्रेस के 23 वरिष्ठ नेताओं के समूह द्वारा पार्टी का संगठनात्मक चुनाव जल्द कराने और पूर्णकालिक कांग्रेस अध्यक्ष की मांग पूर्व में की गई थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व वाले इस समूह ने पिछले साल अगस्त में अपनी मांगों को लेकर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। गांधी ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने हमेशा कांग्रेस के भीतर आंतरिक संगठनात्मक चुनावों का समर्थन किया है और ये समय पर कराये जाएंगे।

उन्होंने कहा, पार्टी के कार्यकर्ताओं को यह तय करना है कि पार्टी का नेतृत्व किसे करना चाहिए। पार्टी मुझसे जो कहेगी मैं वह करूंगा। गांधी ने लोकसभा चुनावों में पार्टी की अपमानजनक हार की जिम्मेदारी लेते हुए पिछले साल मई में कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने इस साल की शुरुआत में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा था कि कांग्रेस को जून 2021 तक एक नया कांग्रेस अध्यक्ष मिलेगा। गांधी ने कहा, हालांकि अभी ध्यान इस महामारी को नियंत्रित करने, जीवन बचाने और भारत के व्यापक दुख और दर्द को दूर करने पर है। बाकी सभी चीजों के लिए आगे समय मिलेगा। उन्होंने कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण देश में मौजूदा संकट के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया है। भारत में एक दिन में कोविड-19 के चार लाख से अधिक नये मामले सामने आ रहे हैं।

कोरोना के चलते दिल्ली में एक हफ्ते के लिए बढ़ा लॉकडाउन

देश में जारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को लॉकडाउन एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया गया है। यह जानकारी खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करके दी है। मालूम हो कि देश के कई अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरह दिल्ली में भी कोरोना वायरस की वजह से हालात काफी गंभीर बने हुए हैं। पिछले कई दिनों से 300 से ज्यादा लोगों की जान जा रही है। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले

रविवार को एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ाने की जानकारी दी थी। इसके तहत सोमवार सुबह तक लॉकडाउन रहना था, लेकिन कोरोना की वर्तमान स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने आज एक बार फिर से लॉकडाउन को बढ़ाने का ऐलान किया है। इसकी जानकारी देते हुए अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''दिल्ली में लॉकडाउन को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है।" महामारी के कहर के बीच में दिल्ली में मरीजों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर अस्पतालों में बेड्स की कमी हो रही है तो कई जगह ऑक्सीजन की किल्लत की वजह से मरीजों की मौत तक हो जा रही। दिल्ली स्थित बत्रा अस्पताल में शनिवार को ऑक्सीजन नहीं होने की वजह से 12 मरीजों की जान चली गई।

चुनाव आयोग की चूक

मद्रास हाईकोर्ट ने देश में कोरोना की विनाशकारी दूसरी लहर के मद्देनजर चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान बरती गई ढिलाई के लिए उसे कड़ी फटकार लगाते हुए यहां तक कह दिया कि आयोग के अधिकारियों पर संभवत: हत्या का मुकदमा चलना चाहिए। हत्या के मुकदमे वाली बात को अदालत की अत्यधिक नाराजगी का संकेत मान लिया जाए तो भी इसमें दो राय नहीं कि कोरोना की दूसरी लहर की गंभीरता को समझने में चुनाव आयोग से चूक हुई है। वह चुनावी रैलियों में उमड़ती भीड़ और उनमें कोरोना प्रोटोकॉल की अनदेखी को समय रहते रोकने का अपना दायित्व पूरी तरह से नहीं निभा पाया। वैसे, आयोग ने कहा कि उसने चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल पर अमल कराने की पूरी कोशिश की। लेकिन हकीकत उसके दावे से मेल नहीं खाते। तथ्य यह है कि कोरोना की

दूसरी लहर की चर्चा पहले चरण की वोटिंग शुरू होने से पहले से ही होने लगी थी। फिर भी पहले चरण का वोट पड़ने के ठीक बाद यानी 28 मार्च को नए मरीजों की संख्या करीब 62 हजार थी। उसके बाद इसमें जिस तेजी से इजाफा हुआ वह किसी का भी ध्यान खींचने के लिए काफी था।

अगले ही चरण यानी 1 अप्रैल की वोटिंग के दिन यह संख्या बढ़कर 81,466 हुई और 6 अप्रैल तक 1,15,736 हो गई। इस दिन असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में वोटिंग समाप्त हो गई। अब सिर्फ पश्चिम बंगाल में पांच चरणों की वोटिंग बाकी रह गई थी। सभी पार्टियों का जोर इसी राज्य पर आ गया और यहां बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित करने की होड़ चलती रही। इस बीच हर फेज की वोटिंग तक नए केसों की संख्या बढ़ती जा रही थी। 10 अप्रैल को यह संख्या डेढ़ लाख के पार हुई तो 16 अप्रैल को ढाई लाख से ऊपर हो गई। मीडिया में चुनाव रैलियों पर रोक लगाने की जरूरत लगातार बताई जा रही थी। यहां तक कि लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस ने अपनी तरफ से कोरोना संक्रमण के मद्देनजर राज्य में बड़ी रैलियां न करने का ऐलान कर दिया। लेकिन चुनाव आयोग ने रोड शो और बड़ी रैलियों पर रोक लगाने की घोषणा 22 तारीख को की, जब खुद प्रधानमंत्री ने कोरोना संबंधी बैठकों की वजह से पश्चिम बंगाल का चुनावी दौरा रद्द कर दिया। तब तक रोजाना नए मामलों की संख्या बढ़कर 3,32,921 हो चुकी थी।

चुनाव आयोग एक जिम्मेदार संस्था है।

इसलिए उससे समय रहते इस गलती को सुधारने की उम्मीद थी। उसने आखिरकार बड़ी रैलियों पर रोक लगाई भी, लेकिन देर से। उम्मीद की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग ही नहीं अन्य तमाम एजेंसियां भी इस उदाहरण से सबक लेंगी और अपना संवैधानिक और कानूनी दायित्व पूरा करने में किसी तरह की सुस्ती या उदासीनता के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेंगी।

कोविशील्ड: समय रहते खुली अक्ल

किरीट ए. चावड़ा

आखिरकार अमेरिका को समझ में आ गया कि कोविड महामारी से जंग में टीकों की कितनी अहमियत है। उसने आश्वासन दिया है कि कोविशील्ड वैक्सीन बनाने में जो खास चीजें जरूरी होती हैं, उन्हें वह भारत को फौरन मुहैया कराएगा। इनके निर्यात पर अमेरिका ने रोक लगा दी थी। कोविड वैक्सीन के मामले में इस साल जनवरी में अमेरिका ने 1950 की कोरिया वॉर के दिनों का एक कानून लागू कर दिया। उस कानून का मकसद था युद्ध में काम आनेवाले साजोसामान की आपूर्ति की दिक्कतें दूर करना। बाद के दिनों में नेशनल इमर्जेंसी की हालत में भी यह कानून लागू करने की मंजूरी दी गई। जो बाइडेन के नेतृत्व में अमेरिका ने इसे लागू कर दिया कोविड वैक्सीन के मामले में। टीके बनाने में काम आने वाली करीब 37 चीजों का निर्यात रोक दिया गया ताकि अमेरिका में फाइजर, बायोएनटेक और जॉनसन एंड जॉनसन जैसी कंपनियों के टीके जोरशोर से बनाए जा सकें। ये खास चीजें यूरोप की कंपनियां भी बनाती हैं, लेकिन वे बड़ी सप्लायर नहीं हैं। लिहाजा भारत और यूरोप में टीके बना रही कंपनियां दिक्कत में फंस गईं। कोविशील्ड बनाने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने निर्यात खोलने की गुहार लगाई बाइडेन से,

तो कोवैक्सीन बना रही भारत बायोटेक के सीएमडी डॉ कृष्णा एल्ला ने भी चिंता जताई। अपील विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी की और कहा कि भारत दुनिया की मदद करता है तो अब दुनिया को भारत की मदद करनी चाहिए। यहां तक कि खुद बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर से भी रोक के खिलाफ आवाज उठने लगी। यूरोप की कंपनियां तो रोक के खिलाफ वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन चली गईं।

आखिर में भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बातचीत से राह निकली। अमेरिका ने तय किया है कि कोविशील्ड बनाने में काम आने वाली चीजों की आपूर्ति भारत को जल्द की जाएगी। दूसरे जीवन रक्षक उपकरण भी भेजेगा अमेरिका। अमेरिका पहले ही करोड़ों डोज के लिए कंपनियों से करार कर चुका है। एस्ट्राजेनेका के टीके के दो करोड़ डोज उसके पास पड़े हुए हैं। ऐसे में कच्चे माल का निर्यात रोकने का फैसला कहीं से भी जायज नहीं था।

खैर, जो बाइडेन को याद आ गया कि महामारी के शुरुआती दौर में भारत ने अमेरिका की मदद की थी। उन्होंने ट्वीट किया कि जरूरत के वक्त अब मदद करने की बारी अमेरिका की है। अमेरिका को यह भी याद आया होगा कि सीरम केवल भारत के लिए कोविशील्ड नहीं बना रही।

उसका एक बड़ा हिस्सा दूसरे देशों के काम आएगा। वैक्सीन डिप्लोमैसी के मोर्चे पर भी अमेरिका की भद पिट रही थी। अच्छा है कि अमेरिका ने समय रहते यह बात समझ ली कि महामारी से जंग अकेले-अकेले नहीं, मिलकर लड़नी होगी क्योंकि एक भी व्यक्ति असुरक्षित रह गया तो कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा। लेकिन अभी यह अधूरा कदम है। सिर्फ कोविशील्ड नहीं, सभी वैक्सीनों के कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

दुनिया को बचाएगी देश में बनी वैक्सीन

जिगर डी वाढेर

चंद रोज पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच टेलिफोन वार्ता हुई। इसमें बाइडेन ने कहा कि अमेरिका कोरोना वैक्सीन के उत्पादन की खातिर भारत को कच्चे माल की आपूर्ति पर लगी रोक हटाएगा। साथ ही, इसकी आसानी से आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी की शुरुआत में भारत ने अमेरिका को मदद भेजी थी, उसी तरह अब अमेरिका भी भारत की मदद के लिए प्रतिबद्ध है। बेशक, आज जब कोरोना की दूसरी घातक लहर के बीच स्वास्थ्य आपातकाल जैसी स्थिति दिखाई दे रही है, तब देश और दुनिया की कोरोना वैक्सीन की जरूरतों की पूर्ति के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रहे भारत के लिए अमेरिका की नई मदद महत्वपूर्ण है। इससे भारत कोरोना वैक्सीन निर्माण के नए मुकाम की ओर तेजी से आगे बढ़ते हुए वैश्विक मानव कल्याण में अहम भूमिका निभा सकेगा।

टीका बनाने में तेजी

कोई एक साल पहले कोरोना संक्रमण का फैलाव होने के बाद देश में वैक्सीन से संबंधित शोध और उत्पादन के विचार आने शुरू हुए। सामान्य तौर पर किसी बीमारी का टीका बनाने में कई वर्ष लगते हैं, लेकिन भारत ने कुछ महीनों में ही टीका बनाने का मुश्किल लक्ष्य पूरा किया। साथ ही, बड़े पैमाने पर इसका उत्पादन भी शुरू कर दिया गया। यह भी महत्वपूर्ण है कि देश में कोरोना वैक्सीन के दाम दुनिया में सबसे कम हैं। ऑक्सफर्ड-एस्ट्राजेनेका के साथ मिलकर बनाई गई सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की 'कोविशील्ड' और स्वदेश में विकसित भारत बायोटेक की 'कोवैक्सीन' का उपयोग 16 जनवरी से शुरू हुए देशव्यापी टीकाकरण अभियान में किया जा रहा है। 26 अप्रैल तक देश में कोरोना वैक्सीन की 14 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी थी।

20 अप्रैल को केंद्र सरकार ने टीका वितरण के जो नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे कोरोना की रोकथाम के लिहाज से ही नहीं, अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दृष्टि से भी कारगर साबित होंगे।

इसके तहत 1 मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी भारतीयों को टीका लगाया जा सकेगा। सरकार स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति में काम करने वालों के नि:शुल्क टीकाकरण का काम जारी रखेगी। राज्य सरकारों को यह अधिकार दिया गया है कि वे देसी या विदेशी कंपनियों से टीके की खरीद और अपने यहां टीकाकरण से जुड़े आवश्यक निर्णय ले सकेंगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि 26 अप्रैल को केंद्र सरकार ने कोरोना की वैक्सीन बनाने वाली देश की दोनों कंपनियों से कहा कि वे वैक्सीन की कीमत घटाएं।

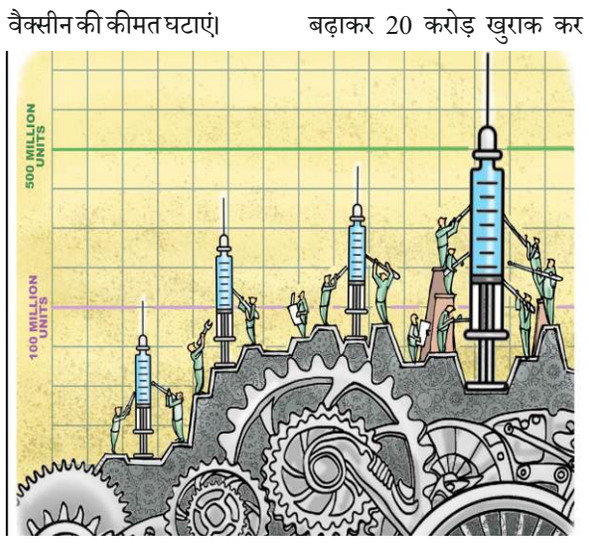

केंद्र सरकार की नई नीति से जहां टीका निर्माता कंपनियों के लिए बड़ा बाजार खुल गया है, वहीं मानव कल्याण के मद्देनजर भारत के लिए कोरोना वैक्सीन का वैश्विक उत्पादक देश बनने का रास्ता भी साफ हुआ है। देश में सरकार के समर्थन से दुनिया की सबसे बड़ी टीका विनिर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया अपनी मासिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 20 करोड़ खुराक कर सकती है। भारत बायोटेक सालाना 70 करोड़ खुराक और जायडस कैडिला सालाना 24 करोड़ खुराक उत्पादन करने की डगर पर आगे बढ़ सकती हैं। इतना ही नहीं, सरकार सीरम इंस्टिट्यूट और भारत बायोटेक को क्रमश: 3,000 करोड़ रुपये और 1,500 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि भी देने वाली है।

हैदराबाद की प्रमुख दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) कोविड-19 के लिए रूस में तैयार टीका स्पूतनिक वी के लिए भारतीय साझेदार है। इसके जरिए स्पूतनिक वी का 60 से 70 फीसदी वैश्विक उत्पादन भारत में होगा।

इतना ही नहीं क्वाड ग्रुप के सदस्य देशों ने भारत में 2022 के अंत तक कोरोना वैक्सीन के सौ करोड़ डोज बनाने और इसके लिए वित्तीय और अन्य संसाधन जुटाने में मदद करने का जो फैसला किया है, उससे भी भारत को वैक्सीन महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। भारत की अहम भूमिका

माना जा रहा है कि कुछ विकसित देश साल 2021 के अंत तक कोरोना टीकाकरण के पूर्ण लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे, लेकिन ज्यादातर देशों को यह लक्ष्य प्राप्त करने में समय लगेगा। यदि सभी गरीब और विकासशील देशों की पहुंच वैक्सीन तक संभव नहीं हो सकी, तो विश्व मानवता और विश्व अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान उठाना पड़ेगा। करोड़ों लोगों को कोरोना की पीड़ा से बचाना तो मुश्किल हो ही जाएगा, वैश्विक अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में भी कठिनाई बढ़ जाएगी। कोरोना नए-नए रूपों में लोगों की जान लेता रहेगा और बार-बार वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होती रहेगी।

ऐसे में गरीब और विकासशील देशों के लोगों के लिए कोरोना टीकाकरण में भारत की कल्याणकारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। जरूरी है कि कोरोना से हाहाकार के बीच भारत के वैक्सीन का वैश्विक हब बनने की जो नई संभावनाएं निर्मित हुई हैं, उन्हें मुट्ठी में लेने का हरसंभव प्रयास किया जाए ताकि यह मौका जाया न हो।

कोरोना के टीकों पर थम नहीं रही केंद्र और राज्यों की तकरार

भूपेन्द्र पटेल

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से बचाव के लिए प्रयास जारी हैं। इस दौरान केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों को लेकर एक बार फिर से बहस शुरू हो गई है। सवाल उठा कि इलाज के लिए संसाधनों की आपूर्ति और टीके की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किसके पास कितने अधिकार हैं। बहस की शुरुआत यहीं से हुई। अब मामला अदालतों तक पहुंचा है। कई राज्य, खासकर विपक्षी दलों के शासन वाले राज्य कोरोना की दूसरी लहर के लिए केंद्र सरकार की लापरवाही को दोषी ठहरा रहे हैं, तो केंद्र सरकार स्वास्थ्य को राज्य सरकार का मसला बताकर उन पर थोप रही है। जब देश भर के अस्पतालों में ऑक्सिजन की कमी की खबरें आईं, तब भी राज्य और केंद्र ने एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोपी। इससे पहले विवाद टीके की कीमत और इसकी आपूर्ति को लेकर था। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब केंद्र और राज्यों के बीच अधिकार को लेकर इस तरह की बहस उठी हो।

सालों से इस मामले को लेकर विवाद रहा है। जानकारों के अनुसार कोविड काल में इस विवाद से सीख लेते हुए अब भविष्य के लिए एक स्पष्ट नीति की सख्त जरूरत है।टीके पर बढ़ा टकराव इस बार यह साफ दिख रहा है कि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय नहीं है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। सबसे पहले कोविड टीकाकरण को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच विवाद बढ़ा। हालांकि इसकी शुरुआत इस साल जनवरी में ही हो गई थी, जब केंद्र ने इस प्रक्रिया को अपने अधीन रखकर लोगों को टीका दिलवाने का काम शुरू किया। राज्यों को टीका केंद्र सरकार भेजती थी। तभी से विपक्षी राज्यों ने इसकी प्रक्रिया और खरीद का अधिकार मांगा। लेकिन केंद्र सरकार ने दूसरी लहर के तेज होने तक राज्यों की मांग को दरकिनार किए रखा। इस मसले पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी, तो कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी मांग की। जब कोविड की दूसरी लहर तेज हुई, तब केंद्र सरकार ने इनकी मांग मानते हुए 1 मई से राज्यों को सब कुछ तय करने का अधिकार दे दिया। 18 साल से ऊपर के लोगों के टीकाकरण का अधिकार तो राज्यों को दे दिया गया, लेकिन यहां भी कीमत को लेकर बात अटक गई। टीका बनाने वाली कंपनियों ने केंद्र को कम कीमत पर और राज्यों को अधिक कीमत पर टीका देने की बात कही। राज्यों ने इस पर आपत्ति जताई, साथ ही आपूर्ति को लेकर भी सवाल उठाए।

केंद्र ने तर्क दिया कि वह जो कम कीमत पर वैक्सीन खरीद रहा है, उससे भी राज्यों को ही आपूर्ति की जाएगी। केंद्र का कहना है कि पहले से जो 45 साल के ऊपर के लोगों का टीकाकरण हो रहा है, उसमें भी अभी कई बाकी हैं, जिनके लिए केंद्र पहले की तरह आपूर्ति जारी रखेगा। लेकिन विपक्षी राज्यों ने केंद्र सरकार पर असमानता का आरोप लगाया कि वह इसकी आपूर्ति में पारदर्शिता नहीं बरत रही। अब, जब एक मई से टीकाकरण का अगला चरण शुरू होगा तो यह विवाद और बढ़ सकता है। कांग्रेस शासित राज्यों ने पहले ही कह दिया है कि उनके पास उस दिन टीकाकरण शुरू करने के लिए टीका ही नहीं है। टीके पर केंद्र और राज्यों के बीच नोंक-झोंक चल ही रही थी कि ऑक्सिजन की आपूर्ति को लेकर भी बहस शुरू हो गई। राज्यों ने इसका ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ा, लेकिन केंद्र ने कहा कि राज्यों को इसका इंतजाम करना चाहिए था। हालांकि कोविड की पहली लहर को याद करें, तो उस समय इतनी उलझन नहीं थी।

महामारी एक्ट के तहत होम मिनिस्ट्री ने तब तमाम निर्देशों में एकरूपता रखने में सफलता पाई थी। हालांकि तब भी कभी-कभी राज्यों ने अपने स्तर पर केंद्र की गाइडलाइंस के विपरीत अपने आदेश निकाले थे, जिस पर केंद्र-राज्य के बीच अधिकार का मसला उठा था। लेकिन तब कुल मिलाकर ऐसी स्थिति नहीं आई थी, जैसी इस बार देखने को मिल रही है। राज्यों ने इसके लिए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया और कहा कि वह जानबूझकर जिम्मेदारी से भाग रही है। लेकिन केंद्र सरकार ने कहा कि राज्यों को अपने हिसाब से महामारी के प्रसार के अनुरूप फैसला लेने के अधिकार दिए गए हैं, जिसमें कुछ भी गलत नहीं है। इसी कारण केंद्र ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन नहीं लगाया और राज्यों को ऐसा करने का अधिकार दे दिया। आयुष्मान योजना पर भी हुआ था विवाद केंद्र और राज्य सरकारों के बीच ऐसे विवादों और मतभेदों की सूची बड़ी लंबी है। हाल-फिलहाल में आयुष्मान योजना से जुड़े कार्यक्रमों को लागू करने के मसले पर भी दोनों के बीच मतभेद सामने आए थे। कुछ राज्यों ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र में प्रवेश बताया और तुरंत लागू करने से इनकार किया। जानकारों के अनुसार राजनीति के कारण ऐसे मतभेद आते रहे हैं, और इसके लिए स्पष्ट कानून बनाने का भी कोई असर नहीं पड़ेगा।

वैसे जहां तक कानून की बात है, पिछले कई दशकों में आए ढेरों मौकों पर इसमें स्पष्टता लाने की कोशिश हुई, तो कई प्रस्ताव अभी भी सालों से लंबित ही हैं। ऐसी ही एक अनुशंसा पंछी कमीशन की है, जिस पर केंद्र-राज्य के बीच विवाद होता रहा है। यूपीए सरकार के समय गठित पंछी कमीशन की अनुशंसा के अनुसार आपात स्थिति में जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात हो, तब राज्यों में मिलिट्री या पैरा मिलिट्री की तैनाती के लिए राज्यों की अनुमति या सहमति की जरूरत नहीं पड़ेगी।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएम पंछी के नेतृत्व में बनी कमिटी ने केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर संबंधों पर अपनी रिपोर्ट 2008 में दे दी थी, जिसमें इस प्रस्ताव का उल्लेख किया गया था। अब होम मिनिस्ट्री सभी राज्यों की सहमति इस मुद्दे पर चाहती है और इसके लिए नए सिरे से पहल हो सकती है। प्रस्तावित अनुशंसा के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसलों में केंद्र सरकार देश के अंदर सुरक्षात्मक कदम उठा सकती है। इसकी जरूरत आतंकी हमले, दंगे या ऐसे दूसरे मामलों में पड़ती है। राज्य सरकारें दो कारणों से इस प्रस्ताव का विरोध कर रही हैं। पहला यह कि वे इसे अपनी आजादी में दखल मानती हैं, और दूसरा यह कि इसके लिए आधार में स्पष्टता नहीं है। इसी कारण पिछले एक दशक से इस मसले पर न कभी कोई सर्वसम्मति बनी और न ही आगे बढ़ने की कोई और राह खुल सकी।

13 सौ की बोतल, डेढ़ लाख की ठगी

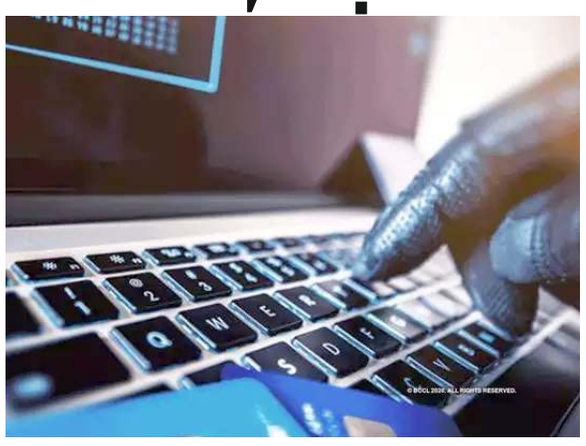

मुंबई, जरूरी सामान के साथ ही पीने के शौकीन इन दिनों शराब भी ऑनलाइन मंगा रहे हैं, इसलिए धोखाधड़ी के भी शिकार हो रहे हैं। ज्यादातर लोग गूगल पर शराब की दुकानों का पता सर्च करते हैं और ऑर्डर कर देते हैं। ऐसे ही मामले एनएम जोशी, अंधेरी और जोगेश्वरी पुलिस के तहत सामने आए हैं। ऑनलाइन शराब मंगाने के चक्कर में लोअर परेल में एक वकील, अंधेरी में एक सीए, जबकि जोगेश्वरी में एक सेवानिवृत्त अधिकारी ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो गए। गौरतलब है कि कोरोना पर सख्त प्रतिबंध लगे होने के कारण राज्य सरकार ने शराब बेचने वालों को ऑनलाइन और होम डिलिवरी के जरिए शराब बेचने की अनुमति दी गई है। केस 1

लोअर परेल में रहने वाले एक वकील ने गूगल सर्च इंजन पर जाकर लिविंग लिक्विड शॉप का मोबाइल नंबर हासिल कर जब कॉल किया, तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को दुकान का मैनेजर सचिन पाल बताया। सचिन को वकील ने 1,370 रुपये का स्कॉच का ऑर्डर दिया। वकील के पास गूगल पे लिंक भेजकर पैसे ट्रांसफर करने को कहा गया। वकील ने 1,370 रुपये सचिन को भेज दिए। कुछ देर बाद सचिन ने क्यूआर कोड भेजा और कहा कि पेमेंट की रसीद बनानी है। वकील ने क्यूआर कोड स्कैन किया, तो खाते से 19 हजार रुपये निकल गए। वकील ने जब इसके बारे में पूछा, तो सचिन पैसे वापस करने का भरोसा देकर डेबिट कार्ड व ओटीपी नंबर ले लिया और 1.5 लाख रुपये निकाल लिए। एनएम जोशी मार्ग पुलिस के मुताबिक, शराब दुकान और आरोपी का नाम फर्जी है। केस 2

अंधेरी में एक सीए को स्थानीय पी.के. बीयर ऐंड वाइन शॉप का नाम और नंबर गूगल से मिला। उसने बीयर की चार बोतलें मंगवाईं, जिनकी कीमत 640 रुपये थी। दुकान का कर्मचारी होने का दावा करने वाले व्यक्ति ने सीएम को क्यूआर कोड भेजा और जैसे ही उसने स्कैन किया, बैंक खाते से 15,600 रुपये निकाल लिए गए। ठगी का अहसास होने पर सीए ने अंधेरी पुलिस का रुख किया। केस 3

जोगेश्वरी के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने अंधेरी के जे.बी. नगर की एक शराब की दुकान से बीयर मंगाई। 350 रुपये के भुगतान के लिए अधिकारी ने ऑनलाइन भुगतान किया और बैंक खाते से 68,000 रुपये निकल गए। स्थानीय पुलिस इस संबंध में मामले जांच कर रही है।

वैक्सीन की कीमत 150 रुपये तय करने के लिए स्टूडेंट ने दाखिल की जनहित याचिका

मुंबई, केंद्र और राज्य सरकारों के लिए कोविड-19 रोधी टीकों की अलग-अलग कीमतों को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। याचिका में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसएसआई) और भारत बायोटेक को 150 रुपये प्रति खुराक की एक समान दर से टीके बेचने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। आवश्यक वस्तु माना गया है टीका वकील फैजान खान और लॉ के तीन छात्रों की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि टीके को एक आवश्यक वस्तु माना गया है। इसलिए इसका प्रबंधन और वितरण निजी कंपनियों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। याचिका में हाई कोर्ट से कोविशील्ड के लिए एसआईआई और कोवैक्सीन के लिए भारत बायोटेक द्वारा घोषित कीमतों को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही, इसमें सभी नागरिकों के लिए टीके की कीमत 150 रुपये तय करने का निर्देश देने का आग्रह भी किया गया है। खुले बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए कहना सही नहीं याचिका में केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को टीकों के लिए खुले बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए कहने के औचित्य पर भी सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार का किसी भी नागरिक के स्वास्थ्य की रक्षा करने का संवैधानिक दायित्व है और इसमें कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। राज्य सरकारों को केंद्र और निजी अस्पतालों से टीका खरीदने के लिए खुले बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए कहना सही नहीं है।

टीवी देखने गयी 5 साल की बच्ची के साथ रेप

मुंबई, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की अमानवीय घटना सामने आई है। तेईस वर्षीय मेडिकल स्टूडेंट ने एक मासूम बच्ची के साथ बलात्कार का जघन्य अपराध किया है। इस मामले में परिवार की शिकायत के बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल परिवार की मांग है कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

जोगेश्वरी की घटना

यह मामला मुंबई के जोगेश्वरी इलाके के बेहराम बाग का है जहां एक 5 वर्षीय बच्ची, एक 23 वर्षीय मेडिकल स्टूडेंट के घर पर 29 अप्रैल की शाम टीवी देखने गई थी। इस घटना से पूरे इलाके में गुस्से का माहौल है। इस मामले में आरोपी का नाम सुनील सुखराम गुप्ता बताया जा रहा है। जो पीड़ित लड़की के मकान मालिक का लड़का है।

क्या हुआ था

दरअसल पीड़ित लड़की का परिवार आरोपी के घर में ही किराए पर रहता है। गुरुवार की शाम हमेशा की तरह पीड़ित लड़की आरोपी के घर टीवी देखने के लिए गई थी। उस समय आरोपी ने दरवाजा बंद कर उसके साथ बलात्कार जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। जिसके कुछ देर बाद लड़की रोते हुए अपने घर गई, तब उसकी मां ने लड़की से पूछताछ की। जिसके बाद मासूम बच्ची ने पूरी घटना बताई।

आरोपी हुआ गिरफ्तार

इस घटना के बाद पीड़ित लड़की के परिवार ने ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की जिसके बाद ओशिवारा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मुंबई में कोविड-19 के 3,925 नये मामले, 89 मरीजों की मौत

मुंबई, मुंबई में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 89 मरीजों की मौत हो गई जो गत वर्ष 30 जून के बाद एक दिन में होने वाली सबसे अधिक मौत हैं। इससे यहां मरने वालों की संख्या बढ़कर 13,161 हो गई। यह जानकारी बीएमसी की ओर से जारी आंकड़े से मिली।

दिन में कोविड-19 के 3,925 नये मामले सामने आने से महानगर में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 6,48,624 हो गई।

इस महीने में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब मुंबई में एक दिन में कोविड-19 के 4000 से कम नये मामले सामने आये हैं।

बीएमसी ने कहा कि मुंबई में दिन में 6,380 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी गई जिससे यहां अभी तक ठीक हुए मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 5,72,431 हो गई। मुंबई में ठीक होने की दर अब 88 प्रतिशत है। बीएमसी ने कहा कि मुंबई में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 61,433 हो गई है।

'भारत को 5 लाख ICU बेड, 2 लाख नर्स, 1.5 लाख डॉक्टर चाहिए'

पुणे, एक्सपर्ट्स का कहना है कि आने वाले कुछ हफ्तों के दौरान भारत को अतिरिक्त पांच लाख आईसीयू बिस्तरों, दो लाख नर्सों और डेढ़ लाख डॉक्टरों की जरूरत पड़ेगी। सर्जन डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी ने भारत में कोरोना महामारी की स्थिति और बदतर होने का पूर्वानुमान लगाया है।

डॉ. शेट्टी ने कहा, 'भारत में 75 से 90 हजार आईसीयू बेड हैं, जो महामारी की दूसरी लहर के चरम पर पहुंचने से पहले ही भर चुके हैं। रोज 3.5 लाख नए मामले आ रहे हैं। एक्सर्ट्स का कहना है कि यह संख्या पांच लाख तक जा सकती है।' डॉ. शेट्टी ने कहा, हर संक्रमित मरीज के साथ पांच से 10 लोग

ऐसे हैं, जिनकी जांच नहीं हो रही है। भारत में अब रोज 15 से 20 लाख लोग संक्रमित हो सकते हैं।'

'नर्सिंग विद्यार्थियों को ड्यूटी पर लें' डॉ. शेट्टी ने कहा, 'देश में नर्सिंग के करीब 2.20 लाख विद्यार्थी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय नर्सिंग परिषद को इन विद्यार्थियों को अगले एक साल तक कोविड-19 आईसीयू वॉर्डों में नियुक्त करने पर विचार करना चाहिए। इसके बाद उन्हें स्नातक का प्रमाण पत्र देना चाहिए। सरकार इन्हें अन्य सरकारी नौकरियों में भी प्राथमिकता दे सकती है।'

'तीसरी लहर के लिए भी तैयार रहें'

डॉ. शेट्टी ने कहा, 'दुर्भाग्य से मरीजों का इलाज बेड नहीं करते। हमें नर्स, डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ भी उसी अनुपात में चाहिए।' डॉ. शेट्टी ने कहा, 'महामारी शुरू होने से पहले ही सरकारी अस्पतालों में 78 फीसद विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी थी। अब हमें कम से कम दो लाख नर्सों और डेढ़ लाख डॉक्टरों की अगले कुछ हफ्तों में जरूरत है, जो अगले एक साल तक कोविड-19 मरीजों का इलाज कर सकें। मौजूदा लहर करीब चार-पांच महीने तक रहेगी। उसके बाद हमें तीसरी लहर के लिए तैयार रहना चाहिए।'

मंत्री पहुंचे रेमडेसिविर बनाने वाली कंपनी के द्वार, बढ़ाई जाएगी उत्पादन की क्षमता

मुंबई, कोरोना से लड़ी जा रही लड़ाई में रेमडेसिविर इंजेक्शन की खूब चर्चा है। राज्य की ठाकरे सरकार यह इंजेक्शन केंद्र की मोदी सरकार से लगातार मांग रही है। इस बीच राज्य के अन्न व औषधि मंत्री राजेंद्र शिंगणे ने दवा बनाने वाली कंपनियों का दौरा किया। उन कंपनियों के मालिकों ने मंत्री को आश्वासन दिया कि वे ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करेंगे, ताकि महामारी से लड़ी जा रही इस लड़ाई में जल्द से जल्द विजय हासिल की जा सके। इससे पहले बीजेपी नेता व विधान परिषद में प्रतिपक्ष नेता प्रवीण दरेकर और प्रसाद लाड ने दवा बनाने वाली कंपनियों का दौरा किया था। उन्होंने दावा किया कि 50,000 रेमडेसिविर इंजेक्शन मुंबई आएंगे। जिस कंपनी के मालिक ने दरेकर को रेमडेसिविर देने का वादा किया था, मुंबई पुलिस ने उस कारोबारी पर कार्रवाई की थी। कंपनी के उस मालिक को पुलिस की कार्रवाई से बचाने के लिए विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस प्रोटोकॉल तोड़ते हुए पुलिस स्टेशन पहुंच गए थे, जहां रात के करीब दो बजे तक गहमागहमी चलती रही थी। बाद में उस कारोबारी को छोड़ दिया गया था। बुधवार को ठाकरे सरकार के एफडीए मंत्री राजेंद्र शिंगडे तारापुर एमआईडी स्थित कंपनी में गए। वहां उन्होंने कंपनी की उत्पादन क्षमता की समीक्षा की। शिंगडे ने कंपनी के मालिक से उत्पादन की क्षमता बढ़ाने की विनती की, जिस पर कंपनी के मालिक ने मंत्री को बताया कि उनकी कंपनी प्रतिदिन 35000 रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाती है। अब तक 6 लाख इंजेक्शन बनाए हैं। इनमें 4 लाख उनकी मूल कंपनी सिप्ला में पहुंचा दिए गए हैं। लगभग 2 लाख इंजेक्शन पैक करने की प्रक्रिया में हैं। इस दौरान कंपनियों को शिंगणे ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार व राज्य का खाद्य एवं औषधि प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेंगे। सांसद व विधायक बांट रहे हैं रेमडेसिविर जिस रेमडेसिविर की मांग ठाकरे सरकार केंद्र सरकार से लगातार कर रही है और एनसीपी नेता व राज्य के अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री नवाब मलिक ने केंद्र सरकार पर रेमडेसिविर रोकने का आरोप लगाया था, वही इंजेक्शन राज्य के सांसद, विधायक व नेता अपने पैसे के खरीदकर लोगों को मुफ्त में मुहैया करा रहे हैं। बीजेपी के सांसद डॉ. सुजय विखे पाटील और एनसीपी के विधायक रोहित पवार अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में इसे निशुल्क बांट रहे हैं, जिस पर कोर्ट ने सरकार को तलब भी किया है।

176 पिलर पर खड़ा होगा कोस्टल रोड ब्रिज

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एवं बीएमसी की महत्वाकांक्षी परियोजना कोस्टल रोड का काम तेजी से चल रहा है। कोस्टल रोड को तैयार करने में विश्व की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत में मोनोपाइल टेक्नॉलजी से पहली बार किसी पुल के नीचे खंभे बनाए जा रहे हैं। कोस्टल रोड के लिए बनने वाले ब्रिज के लिए 2.5 मीटर व्यास का खंभा (टेस्ट पाइल) तैयार किया जा रहा है। अब तक एक खंभा बन कर लगभग तैयार हो गया है।

कोस्टल रोड के अंतर्गत समुद्र में 34 मीटर चौड़े और 2.1 किमी लंबे ब्रिज को मोनोपाइल टेक्नॉलजी से बनाया जा रहा है। भारत में इस तकनीकी का पहली बार प्रयोग किया जा रहा है। ब्रिज के लिए मोनोपाइल टेक्नॉलजी से कुल 176 खंभों का निर्माण किया जाएगा। बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल के मार्गदर्शन में दक्षिण मुंबई को पश्चिम उपनगर से जोड़ने वाले इस प्रॉजेक्ट का काम कोरोना संकट के बीच तेजी से चल रहा है। कोस्टल रोड प्रॉजेक्ट की चीफ इंजिनियर सुप्रभा मराठे ने बताया कि खंभे बनाने के लिए शुरुआत में पिलर के 3 सर्वे किए जाएंगे। इसके लिए जरूरी तकनीकी मशीन यूरोप से मंगाई गई है। इस तकनीक के विशेषज्ञ भी विदेश से आए हैं, जिनकी देख-रेख में बुधवार से पिलर निर्माण की शुरुआत हुई। मराठे ने बताया कि कोस्टल रोड निर्माण में इंटरचेंज भी बनाया जाएगा, जिसकी लंबाई 15.66 किमी होगी। नदी, समुद्र आदि पर ब्रिज का निर्माण करते समय बहुस्तंभ तकनीकी का उपयोग किया जाता है। यह पहला प्रॉजेक्ट है, जिसमें मोनोपाइल टेक्नॉलजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। कई पिलर के बदले एक पिलर पर ब्रिज खड़ा होगा। उन्होंने बताया कि परंपरागत तकनीकी से ब्रिज निर्माण के लिए चार पिलर बनाए जाते। ऐसे में 176 पिलर के बदले कुल 704 पिलर बनाने पड़ते। इससे अधिक स्थान घेरने के अलावा खर्च और समय भी अधिक लगता।

कोस्टल रोड के पिलर की तैयारी अत्याधुनिक तकनीकी की सहायता से बनाए जाने वाले पिलर के व्यास 2.5 मीटर, 3 मीटर व 3.5 मीटर तीन आकार के अलग-अलग खंभे रहेंगे।

- खंभे की ऊंचाई जमीन तल के नीचे और ऊपर को मिलाकर 18 मीटर होगी। - वर्ली के अब्दुल गफ्फार खान मार्ग पर बिंदू माधव ठाकरे चौक के पास 3 टेस्टिंग पिलर का निर्माण शुरू किया गया है। - जुलाई के आखिर तक इसका काम पूरा हो जाएगा।

- काम पूरा होने के बाद पिलर पर अलग-अलग टन का भार देकर उसकी क्षमता की जांच की जाएगी।

- ब्रिज के पिलर का प्रत्यक्ष निर्माण कार्य मॉनसून के बाद शुरू किया जाएगा।

परमबीर समेत 32 के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, मुंबई पुलिस के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह का विवाद बढ़ता चला जा रहा है। उनके खिलाफ अब तक दो पुलिस अधिकारी अपनी आवाज उठा चुके हैं। ताजा मामला राज्य के अकोला जिले से है, जहां परमबीर सिंह और आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पराग मनेरे समेत ३३ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद परमबीर सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले की जांच ठाणे स्थित बाजारपेठ पुलिस स्टेशन करेगी। यह एफआईआर अकोला पुलिस के कंट्रोल रूम में तैनात इंस्पेक्टर भीमराव घाडगे ने दर्ज कराई है।

पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक परमबीर सिंह, पराग मनेरे सहित ३३ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट की विभिन्न २७ धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। घाडगे ने आरोप लगाया है कि परमबीर सिंह जब ठाणे पुलिस के आयुक्त थे तो उन्होंने हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार किए थे। आरोप है कि घाडगे के साथ २७ पुलिसकर्मियों ने जातिवाद को लेकर गाली-गलौज की थी, क्योंकि वह अनुसूचित जाति के है। इसमें पराग मनेरे, संजय शिंदे, सुनील भारद्वाज और विजय फूलकर सहित ३३ पुलिस अधिकारियों के नाम हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले की जांच ठाणे पुलिस करेगी और जल्द ही एफआईआर में दर्ज हुए नामों से पूछताछ की जा सकती है। इसके पहले इंस्पेक्टर भीमराव ने मुख्यमंत्री और गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर परमबीर सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए थे।

कर्ज चुकाने के लिए किडनैप!

वसई में रहनेवाले एक व्यक्ति ने खुद के अपहरण की साजिश रची। उसे कर्ज चुकाने के लिए पैसे चाहिए थे इसलिए उसने ये किडनैप की कहानी लिख डाली। इसके तहत उसने अपने ही जीजा से फिरौती में लाखों रुपए की मांग की। हालांकि, कुछ ही घंटों में पुलिस ने इस शख्स को मुंबई के एक मॉल से गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कर्ज चुकाने के लिए वसई में रहनेवाले इस व्यक्ति ने खुद का अपहरण होने की साजिश रची। उसने अपने जीजा को फोन पर बताया कि बुधवार सुबह करीब साढ़े ११ बजे वसई के सरकारी अस्पताल में वह दवाई लेने गया था। जहां पुलिस और डॉक्टर की ड्रेस पहने दो लोगों ने उसका अपरहण कर लिया है और छोड़ने के बदले में १ लाख २० हजार रुपए खाते में डालने के लिए कह रहे हैं। जीजा की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया और जांच में जुट गई।

अपहरणकर्ता को पकड़ने के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम नालासोपारा, वसई, विरार व दूसरी टीम गिरगांव, सांताक्रुज, खार रोड व घाटकोपर में अपहरणकर्ता की तलाश कर रही थी। रात ११ बजे मोबाइल लोकेशन के आधार अपने किडनैप की कहानी बतानेवाले इस शख्स को घाटकोपर स्थित एक मॉल के पास से हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ में शख्स ने बताया कि वह कर्ज में डूब गया था। कर्जदारों को लाखों रुपए देना बाकी है।

कर्जत से कनेक्ट होगा रायगढ़!

मुंबई, रेलवे की बहुप्रतीक्षित रेल परियोजनाओं में से एक पनवेल-कर्जत कॉरिडोर के लिए अब जमीन की तलाश शुरू हो चुकी है। मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (एमयूटीपी) के अंतर्गत इस कॉरिडोर को बनाने का काम मुंबई रेल विकास निगम (एमआरवीसी) कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद है नई मुंबई के रायगढ़ जिलेवाले क्षेत्र को कर्जत तक जोड़ना और एमएमआर रीजन का विस्तार करना। इससे मुंबई लोकल को एंड टू एंड कनेक्टिविटी भी मिलेगी तथा पनवेल और कर्जत के बीच नए कॉरिडोर के आस-पास विकास भी होगा। कॉरिडोर के निर्माण के लिए एमआरवीसी को प्राइवेट, सरकारी या वन्य भूमि की तलाश है। धीमी गति से हो रहा काम पिछले एक साल से कोरोना के कारण कई प्रोजेक्ट का काम रुका हुआ है या बहुत धीमी गति से हो रहा है, इसके कारण कई प्रोजेक्ट्स की लागत राशि भी बढ़नेवाली है लेकिन पनवेल-कर्जत कॉरिडोर का काम पहले से काफी धीमा है। करीब चार साल पहले इस कॉरिडोर को अप्रूवल मिला था और इसकी लागत राशि २,७८३ करोड़ रुपए तय की गई थी। इस २८ किमी लंबे कॉरिडोर के लिए प्रशासन ३२ हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण करने की तलाश में जुटा हुआ है। इसमें से करीब ९ हेक्टेयर जमीन वन्य भूमि क्षेत्र के अंतर्गत है। केंद्र की मंजूरी का इंतजार एमआरवीसी के सूत्रों की मानें तो वन्य भूमि के लिए राज्य की मंजूरी मिल चुकी है और फाइल को केंद्र के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। वन्य भूमि का मतलब है कॉरिडोर की इस जमीन के लिए अगर मंजूरी मिली तो कई पेड़ों को काटना पड़ेगा। कितने पेड़ काटने पड़ेंगे? इसका आंकलन फिलहाल नहीं किया गया है। वन्य क्षेत्र की जमीन को छोड़ें तो सरकारी और निजी जमीन के लिए प्रोजेक्ट से प्रभावित पार्टियों के लिए क्या किया जाना है? इसे तय करना है। मुआवजा इत्यादि पर काम किया जा रहा है। इस तरह के प्रोजेक्ट में जमीन के बदले कहीं और जमीन, मुआवजे की रकम और कई बार प्रभावित लोगों के परिवार में से किसी को नौकरी का प्रावधान होता है। नेट्म तकनीक ने तैयार होगा टनल एमआरवीसी के अनुसार इस प्रोजेक्ट के लिए जितनी जमीन उपलब्ध है, वहां छोटे-मोटे काम की शुरुआत कर दी गई है। इस रूट के लिए एमआरवीसी तीन टनल बना रही है। ये कॉरिडोर ऐसा पहला उपनगरीय कॉरिडोर होगा, जिसमें ट्रैक के नीचे पत्थर की गिट्टियां नहीं होंगी। एमआरवीसी के अनुसार इन तीन टनल के काम के लिए जल्द ही टेंडर निकाला जाएगा, इन्हें नेट्म तकनीक से बनाया जाएगा। इन टनल में गिट्टियों रहित पटरियां होंगी, जिनका रख-रखाव आसान होगा। इसमें सबसे लंबी टनल २.५ किमी की होगी जबकि अन्य दो सुरंगों की लंबाई करीब २५० मीटर होगी। पांच स्टेशनों का कॉरिडोर पनवेल और कर्जत को जोड़ने के लिए फिलहाल एक लाइन का ट्रैक है, जहां अधिकांश मालगाड़ियां चलती हैं। पनवेल, खालापुर और कर्जतवाले मौजूदा कॉरिडोर पर मालगाड़ियों के अलावा कुछ लंबी दूरी की यात्री ट्रेनें चलती हैं। नए कॉरिडोर में पनवेल, चिकले, महापे, चौक और कर्जत इस तरह से पांच स्टेशन होंगे और पूरे रूट में ५८ ब्रिज होंगे।

नाश्ते में बिस्किट खाने से बेहतर है केला, जानें वेट लॉस में कितना है मददगार

केले के बारे में अक्सर कहा जाता है कि इसमें बहुत ज्यादा कैलोरीज होती है. इससे ब्लड शुगर बढ़ता है और इन कारणों से डाइटीशियन इसे नहीं खाते जबकि केला बिस्किट खाने से कहीं ज्यादा बेहतर है क्योंकि बिस्किट में जीरो न्यूट्रिशन होता है। वास्तव में, केले को डायबिटीज में भी खाया जा सकता है लेकिन डायबिटीज के मरीजों को बादाम के साथ केले का सेवन करना चाहिए, जिससे उनका शुगर लेवल कंट्रोल में रह सके। आप कोई भी स्पोर्ट क्यों न खेलते हो, केला आपके लिए फायदेमंद है। खास तौर पर ट्रेनिंग के दौरान जब स्टेमिना और ताकत की जरूरत होती है, तो केला आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद फाइबर में ग्लाइसेमिक इंडेक्स की कम मात्रा, आपकी रक्त कोशिकाओ और मांसपेशियों में शर्करा को धीरे-धीरे रिलीज करके आपको पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखती है।

केले में होती है बस 80 कैलोरीज

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि केले में बस 80 कैलोरीज होती है। तो, वजन कम करने के लिहाज से यह फल कोई 'खलनायक' नहीं है।

केले को इस तरह से करें डाइट में शामिल-

बनाना मिल्कशेक

केले का मिल्कशेक जिसमें बादाम के दूध का इस्तेमाल किया गया हो। जमे हुए केले का स्वाद ताजे केले से कहीं ज्यादा अच्छा होता है इसलिए ज्यादा पके हुए केले को फ्रिज में रखकर इसे ब्लेंड करके इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

बनाना डार्क चॉकलेट डेजर्ट

यह खाने में मीठा हो सकता है लेकिन फिर भी सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा है। आप इसमें पिघली हुई डार्क चॉकलेट मिलाकर आइसक्रीम के साथ खा सकते हैं।

सोनल झालावाड़िया

आप केले के साथ मोटे अनाज मिलाकर भी खा सकते हैं। ताजे दूध में अलसी के बीज, चिरौंजी और एक चम्मच पीनट बटर डालकर भी खा सकते हैं।

फर्श पर बैठकर खाना खाने से मिलते हैं गजब के फायदे, जान जाएंगे तो कभी नहीं खाएंगे डाइनिंग टेबल में बैठकर खाना

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक भोजन ही नहीं उसका सही तरीके से सेवन करना भी जरूरी होता है। लोग अक्सर भोजन करने के लिए डाइनिंग टेबल का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं फर्श पर बैठकर खाना खाने से शरीर कई गजब के लाभ मिलते हैं। जानते हैं ऐसे ही कई फायदों के बारे में।

फर्श पर बैठकर भोजन करना अपने पाचन तंत्र को दुरुस्त बनाए रखने का एक आयुर्वेदिक तरीका है। फर्श पर बैठकर भोजन करने के लिए व्यक्ति को सुखासन में बैठना चाहिए।

फर्श पर बैठकर खाना खाने से मिलने वाले फायदे-

-फर्श पर बैठकर खाना खाते समय आप सिर्फ खाना ही नहीं खा रहे होते हैं बल्कि इस तरह खाना खाते समय आप एक आसन की मुद्रा में बैठे होते हैं। ये मुद्रा व्यक्ति का मन शांत बनाए रहने के साथ रीढ़ की हड्डी को भी आराम पहुंचाती है।

-फर्श पर बैठकर खाना खाते समय व्यक्ति पाचन की अवस्था में होता है। जिसकी वजह से पाचन रस शरीर में बेहतर तरीके से अपना काम कर पाता है।

-फर्श पर बैठकर खाना खाते समय व्यक्ति जमीन पर पैरों को क्रॉस करके बैठता है, जो आपके ब्रेन को यह सिगनल्स पहुंचता है कि आपका शरीर भोजन के लिए तैयार है। इस आसन में बैठ कर भोजन करने पर वह जल्दी पच जाता है।

-फर्श पर बैठकर भोजन करने से पेट की मांसपेशियां गतिशील बनती है, जिससे भोजन को पचाने में सहायता मिलती है।

-इस मुद्रा में बैठकर खाने से पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों, पेल्विस और पेट के आस-पास की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा होता है। जिससे असहजता और दर्द की शिकायत में आराम मिलता है।

-फर्श पर बैठकर खाना खाने से वजन को संतुलित रखने में भी मदद मिलती है।

-माना जाता है कि जब परिवार के सभी सदस्य एकसाथ मिलकर फर्श पर बैठकर खाना खाते हैं तो उनके संबंध भी मजबूत बनते हैं।

-फर्श पर बैठकर खाना खाने से बॉडी-पोश्चर बेहतर होता है और व्यक्तित्व में भी निखार आता है।

संजय शर्मा

-फर्श पर बैठकर खाना खाने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जो दिल की सेहत के लिए जरूरी होता है।

Disclaimer- इस आलेख में दी गई जानकारी की सटीकता, समयबद्धता और वास्तविकता सुनिश्चित करने का हर सम्भव प्रयास किया गया है हालांकि इसकी नैतिक ज़िम्मेदारी लाइव हिन्दुस्तान डॉट कॉम की नहीं है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको जानकारी मुहैया कराना मात्र है।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरुरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है। ये टीके हैं बेहद जरूरी

-गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।

-हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।

-डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।

-पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।

-बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है। -हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके, जानें कैसे करें इस्तेमाल

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका-

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका-

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका-

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका-

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफ़ेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका-

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : अप्रैल का अंतिम सप्ताह मेष राशि के जातकों के लिए कुछ मायनों में पूर्व के दिनों से राहत वाला रहेगा। मंगल का बुध की राशि मिथुन में गोचर निर्णय क्षमता बेहतर करेगा। जो भी करेंगे उसमें आपका विवेक नजर आएगा। मन शांत रहने से नौकरी और व्यवसाय में बेहतर दे पाएंगे। आर्थिक दृष्टि से परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी।

वृषभ : राशि में बुध और राहु का गोचर आकस्मिक घटनाएं करवाएगा। ये शुभ और अशुभ दोनों हो सकती है। कोई भी फैसला लेते समय पूरी सजगता रखें। किसी के कहने में आकर कोई निर्णय न करें। नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से पटरी बैठाने में दिक्कत आएगी। व्यापारियों का काम मंद रहेगा। आर्थिक संकट पूरी तरह दूर नहीं होगा।

मिथुन : इस सप्ताह आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। अपने साहस और धैर्य से बड़ी मुश्किलों का सामना भी मजबूती से करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह शुभ है। कर्ज मुक्ति की स्थिति बन रही है। पैसों का आगमन अच्छे से होगा। नौकरी पेशा और व्यापारियों को कार्य में लाभ प्राप्त होगा। खर्च में कमी आएगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कर्क : आपके लिए परिस्थितियां विपरीत हो सकती हैं। पारिवारिक विवाद, मित्रों से विवाद, संपत्ति को लेकर किसी से विवाद कोर्ट-कचहरी, पुलिस के मामले आ सकते हैं। विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। बड़े निवेश से इस सप्ताह बचना ही बेहतर होगा। करियर में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

सिंह : आपके चतुर्थ स्थान में केतु सुखों को प्रभावित कर रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं में कमी महसूस होगी। आर्थिक संकटों का समाधान तलाशने का प्रयास करें। कर्ज मुक्ति की स्थिति बनेगी लेकिन नया कर्ज लेने से बचें और किसी को पैसा उधार भी न दें। शारीरिक और मानसिक रूप से स्थिति बेहतर रहेगी। रोग परेशान नहीं करेंगे।

कन्या : राशि स्वामी बुध की राहु के साथ उपस्थिति आपको मानसिक रूप से बीच-बीच में विचलित करती रहेगी। अपने मन-मस्तिष्क को शांत रखें, विचारों का प्रवाह कम करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुराने कार्य यथावत जारी रहेंगे, नए कार्य प्रारंभ नहीं हो सकेंगे। नौकरीपेशा, कारोबारियों को यथा स्थिति में कार्य करते रहना है।

तुला : अपनी वाणी का प्रयोग संभलकर करें। जाने-अनजाने में किसी को कहे गए अपशब्द आप पर भारी पड़ सकते हैं। धन संपत्ति को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। संपत्ति के बंटवारे में पक्षपात हो सकता है। हालांकिस्वयं की संपत्ति खरीदने के योग भी बन रहे हैं। नौकरी पेशा को तरक्की की संभावना है, किंतु व्यापारियों का धंधा थोड़ा मंदा रहेगा।

वृश्चिक : आपको इस सप्ताह सबसे ज्यादा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है। जरा सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है खासकर हृदय रोगी, डायबिटीज और अस्थमा के रोगी सतर्क रहें। खानपान में भी सतर्कता रखें। फूड पाइजनिंग, पेट खराब होने की समस्या हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से उतार-चढ़ाव बने रहेंगे।

धनु : अपनी कटु वाणी का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। किसी का सहयोग नहीं कर सकते तो उसकी बुराई भी न करें। पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में विवादित स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में नई संभावनाएं तलाशने का प्रयास करें। व्यापारिक स्थितियां भी सामान्य नहीं दिख रही हैं।

मकर : अपने काम और निजी जीवन के बीच एक सीमा रेखा रखें। अत्यधिक कार्य के दबाव के कारण तनाव महसूस करेंगे। पेट संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह भी पूरे होते नहीं दिख रहे हैं। बेहतर है जो जैसा चल रहा है उसे चलने दें। व्यर्थ का तनाव न लें।

कुंभ : समय विपरीत है इसलिए धैर्य और संयम से काम लें। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, वरना दिक्कत हो सकती है। परिवार को वक्त दें, उनके साथ ही तालमेल बनाकर रखें, मुसीबत में वे ही काम आएंगे। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। किसी भी रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत डाक्टर से सलाह लें।

मीन : आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर बढ़ती नजर आ रही है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। नौकरी और कारोबार दोनों में वृद्धि की संभावना है। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन नेत्र रोग आ सकते हैं। आंखों में चोट लगने की आशंका है सावधानी रखें। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

चुटकुले

लड़कीवाले: बेटा क्या करता है आपका?

लड़केवाले: बहुत मेहनती है हमारा लड़का, सुबह सात बजे से रात के एक बजे तक फेसबुक चलाता है।

लड़की देखने गया लड़का: इंग्लिश चलेगी ना?

लड़की (शरमाते हुए): जी प्याज और नमकीन साथ हो तो देसी भी!

सोनू: लड़कियां कभी खुद प्यार का इजहार क्यों नहीं करती हैं?

मोनू: ताकि ब्रेकअप करते समय कह सकें कि तुम ही मेरे पीछे पड़े थे, मैं नहीं।

तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा...सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को फटकारा, पूछा- UP पंचायत चुनाव का काउंटिंग टाला जा सकता है?

कोरोना वायरस संकट के दौर में उत्तर प्रदेश में हुए पंचायत चुनाव के वोटों की गिनती 2 मई को होगी। हालांकि, यूपी पंचायत चुनाव के वोटों की गिनती को कुछ समय के लिए टालने लिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिस पर आज यानी शनिवार को सुनवाई हुई। राज्य में पंचायत चुनावों की मतगणना से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग को फटकार लगाई और कहा कि अगर कोरोना संकट को देखते हुए मतगणना को स्थगित कर दिया जाए तो कोई आसमान नहीं टूटे पडेगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से पूछा कि कोरोना काल में क्या मतगणना कराना जरूरी है? क्या उसको स्थगित नहीं किया जा सकता? अगर दो-तीन हफ्ते टाल दिया गया तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से जारी किया गया दिशा-निर्देश भी मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी चुनाव आयोग से स्पष्टिकरण की मांग करते हुए पूछा, 'वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए क्या आपने विचार किया है कि मतगणना को स्थगित किया जा सकता है? हर जगह संकट है। क्या आपके पास चिकित्सा सुविधाएं हैं, जांच उपलब्ध है?'इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि अगर 2 लाख से अधिक सीटों की काउंटिंग होगी और इसके लिए केवल 800 केंद्र हैं, तो आप प्रति केंद्र लगभग 800 सीटों की गिनती करेंगे। हर सीट पर कई उम्मीदवार होंगे। ऐसे में फिर आप काउंटिंग स्टेशन पर प्रति व्यक्ति 75 लोगों की सीमा

को कैसे सुनिश्चित करेंगे। बता दें कि शनिवार को भारत में कोरोना वायरस के 4 लाख से अधिक नए केस सामने आए हैं और महज 24 घंटे में ही 3500 से अधिक लोगों की मौतें हुई हैं।

बता दें कि शुक्रवार को दायर इस याचिका में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान चुनाव ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वालों का हवाला दिया गया है और वोटों की गनती पर कोरोना की वजह से रोक लागने की मांग की गई। इस पर कोर्ट ने शुक्रवार को राज्य सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया था।

काउंटिंग को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने दिशा जारी किये दिशा-निर्देश:

प्रत्याशियों/अभिकर्ताओं द्वारा मतगणना प्रारम्भ होने के 48 घंटे पहले की आरटीपीसीआर या रैपिड एन्टीजन टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट या कोविड- 19 वैक्सीनेशन कोर्स पूरा किए जाने की रिपोर्ट दिए जाने के बाद मतगणना केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा मतगणना के दिन पल्स ऑक्सीमीटर से टेस्ट/थर्मामीटर से टेस्ट करने के बाद स्वस्थ पाए जाने पर मतगणना केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

प्रत्येक मतगणना केन्द्र पर मतगणना के दिन मेडिकल हेल्थ डेस्क होगी जहां आवश्यक दवाईयों के साथ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे।

कोई भी व्यक्ति मास्क लगाकर परस्पर सामाजिक दूरी बनाते हुए ही मतगणना केन्द्र में प्रवेश करेगा।

मतगणना प्रक्रिया के दौरान मतगणना केन्द्र के बाहर भीड़ एकत्र नहीं होने दी जाएगी।

मतगणना केंद्र/हाल में सामाजिक दूरी, उपयुक्त वेन्टीलेशन, खिड़कियों और एक्जास्ट पंखों का प्रबन्ध राज्य आपदा प्रबन्ध के प्रोटोकाल के अनुसार होगा।

मतगणना केन्द्रों को मतगणना प्रारम्भ होने से पहले, मतगणना के दौरान पाली परिवर्तन के समय और मतगणना समाप्ति पर सैनिटाइज किया जाएगा।

मतपेटिकाओं और स्टील ट्रंक को भी सैनिटाइज किया जाएगा।

मतगणना टेबिल की संख्या कोविड-19 की गाइड लाइन के दृष्टिगत रखी जाएगी।

मतगणना हाल / कक्ष परिसर में प्रवेश के समय सभी व्यक्तियों की थर्मल स्कैनिंग की जाएगी।

सैनिटाइजर साबुन और पानी की व्यवस्था होगी और सभी व्यक्तियों को अपना हाथ सैनिटाइज करना होगा।

जिस व्यक्ति को कोविड-19 के लक्षण जैसे बुखार, जुकाम आदि हो, उसे मतगणना स्थल में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

विजय जुलूस प्रतिबन्धित रहेगा, कोई भी प्रत्याशी या समर्थक विजय जुलूस नहीं निकालेगा।

अदार पूनावाला क्या करेंगे ऐलान? भारत के बाहर वैक्सीन के प्रोडक्शन की योजना बना रहा सीरम इंस्टीट्यूट

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग को तेज करते हुए भारत में आज से वैक्सीनेशन के तीसरे फेज की शुरुआत हो रही है, जिसमें 18 साल से 44 साल के बीच के लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। हालांकि, कई राज्यों में वैक्सीन की कमी की वजह से टीकाकरण नहीं हो पाएगा। इस बीच खबर है कि कोविशील्ड वैक्सीन की निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया भारत के बाहर अन्य देशों में वैक्सीन के प्रोडक्शन पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि वैक्सीन की प्रोडक्शन क्षमता को बढ़ाने के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने 'द टाइम्स' को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि कंपनी दूसरे देशों में एस्ट्राजेनेका वैक्सीन बनाने की योजना पर काम कर रही है। शुक्रवार को द टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में एक ऐलान होने वाला है। बता दें कि कंपनी भारत में एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से बनाती है।

समाचा एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, सीरम के मुखिया अदार पूनावाला ने पिछले हफ्ते कहा था कि सीरम इंस्टीट्यूट जुलाई तक अपना मासिक आउटपुट (प्रोडक्शन) 100 मिलियन डोज तक कर देगा। पहले ऐसा करने के लिए मई अंत की टाइमलाइन बताई थी। बता दें कि भारत के कई राज्यों ने भी वैक्सीन कमी की बात कही है, जिसकी वजह से आज से कई राज्यों में वैक्सीनेशन के तीसरे चरण का आगाज नहीं हो पा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले छह महीनों में सीरम की प्रोडक्शन कैपेसिटी (उत्पादन क्षमता) 2.5 बिलियन से 3 बिलियन डोज सालाना हो जाएगी। बता दें कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। आज भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 4 लाख से अधिक केस मिले, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

गुजरात के कोविड अस्पताल में लगी भीषण आग, कोरोना मरीजों की मौत का आंकड़ा पहुंचा 18

गुजरात के भरूच में एक कोविड अस्पताल में शुक्रवार की देर रात भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 18 कोरोना मरीजों की मौत हो गई। इस घटना में कई घायल भी बताए जा रहे हैं। यह हादसा भरूच के पटेल वेलफेयर अस्पताल में रात करीब 12.30 से 01 बजे के बीच हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर आग बुझाने पहुंची। बताया जा रहा है कि पटेल वेलफेयर अस्पताल की पहली मंजिल को कोरोना मरीजों के लिए कोविड केयर सेंटर बनाया गया था। भरूच के एसपी राजेंद्रसिंह चुड़ास्मा ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि इस अस्पताल के कोविड वार्ड में इलाजरत 12 कोरोना मरीजों की मौत हो गई। उन्होंने आशंका जताई कि मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। करीब 50 लोगों का रेस्क्यू कर उन्हें दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, चार मंजिला यह अस्पताल भरूच-जंबूसर हाईवे पर स्थित है और इसे एक ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जाता है। फायर ऑफिसर शैलेश संसिया ने बताया कि अस्पताल की पहली मंजिल पर कोविड वार्ड बनाया गया था। एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया और फायर फाइटर्स और स्थानीय लोगों की मदद से कम से कम 50 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा था।

अब और कैसी तबाही का मंजर दिखाएगा कोरोना? भारत में 1 दिन में 4 लाख केस मिले, जानें कहां-कितनी मौतें हुईं?

कोरोना वायरस तबाही का और कितना खतरनाक मंजर दिखाएगा, यह किसी को नहीं पता। भारत दुनिया का ऐसा पहला देश बन गया है, जहां एक दिन में कोरोना के 4 लाख से अधिक पॉजिटिव केस मिले हैं। यह अपने आप में डराने वाला रिकॉर्ड है। देश में शुक्रवार को कोरोना के अब तक के सर्वाधिक 4 लाख 02 हजार 110 नए मामले सामने आए, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1 करोड़ 91 लाख 57 हजार 094 हो गई। साथ ही देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 32 लाख पार कर गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को एक दिन में 3522 लोगों ने

कोरोना की वजह से दम तोड़ दिया। इस तरह से कोरोना संक्रमण के कारण अब तक दम तोड़ चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,11,836 हो गई। सक्रिय मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

अब यह बढ़कर 32,63,966 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 16.90 प्रतिशत है। लोगों के ठीक होने की दर गिरकर 81.99 प्रतिशत हो गई है। देश में अब तक 1,56,73,003 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि, मृत्यु दर 1.11 प्रतिशत है।

अब तक कुल 2,11,835 लोगों की मौत पिछले 24 घंटे में 3521 और लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र में 828, दिल्ली में 375, उत्तर प्रदेश में 332, कर्नाटक में 217, छत्तीसगढ़ में 269, गुजरात में 173, राजस्थान में 155, झारखंड में 120, पंजाब में 113 और तमिलनाडु में 113 लोगों की मौत हुई है। देश में संक्रमण के कारण अब तक कुल 2,11,835 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से महाराष्ट्र में 68,813, दिल्ली में 16,148, कर्नाटक में 15,523, तमिलनाडु में 14,046, उत्तर प्रदेश में 12,570, पश्चिम बंगाल में 11,344, पंजाब में 9022 और छत्तीसगढ़ में 8581 लोगों की मौत हुई है।

73.05 प्रतिशत मामले 10 राज्यों में सामने आए

देश में संक्रमण के एक दिन में सामने आए नए मामलों में से 73.05 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली समेत 10 राज्यों में सामने आए हैं। इनमें कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और राजस्थान भी शामिल हैं।

बंगाल में नतीजों से पहले सियासी हलचल तेज, BJP के किस 'प्लान B' से ममता को डर?

पश्चिम बंगाल में एग्जिट पोल अनुमानों और असल नतीजे आने के बीच की समयावधि में राजनीतिक दल अपने-अपने खेमो को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस को भाजपा की तरफ से तोड़फोड़ और मतगणना प्रभावित करने की आशंका है, तो भाजपा को एग्जिट पोल अनुमानों से ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद है। हालांकि अंदरूनी तौर पर दोनों खेमे एक दूसरे के अंदर सेंध लगाने की भी कोशिश में हैं।

पश्चिम बंगाल के हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार और भारी मतदान के बाद अब सबकी निगाहें नतीजों पर टिकी हुई हैं। गुरुवार को आखिरी दौर के मतदान के बाद आए एग्जिट पोल अनुमानों ने कड़े मुकाबले के संकेत देकर चुनावी उत्तेजना को और ज्यादा बढ़ा दिया है। भाजपा व तृणमूल कांग्रेस दोनों ही सरकार बनाने के आसपास खड़े हैं और जीत का सेहरा किसके सिर सजेगा इसे लेकर अनुमान और अटकलें जारी हैं।

ममता ने उम्मीदवारों को दी नसीहत

इस बीच तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मतदान बाद की स्थिति की समीक्षा वर्चुअल बैठक के जरिए की है। ममता बनर्जी ने अपने कार्यकर्ताओं को मतगणना के दौरान पूरी तरह सावधान रहने की नसीहत भी दी है और आशंका जताई कि गड़बड़ी भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि कोई भी उम्मीदवार और एजेंट न किसी का दिया खाए, न किसी की दी सिगरेट पिये। किसी को भी मतगणना केंद्र छोड़कर नहीं जाना है। हालांकि ममता बनर्जी का उत्तर बंगाल को लेकर दिया गया बयान महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि वहां पर पार्टी कुछ कमजोर रह सकती है। भाजपा के प्लान-बी की भी चर्चा दूसरी तरफ भाजपा एग्जिट पोल अनुमानों से उत्साह से लबरेज है और उसके नेता इससे भी ज्यादा सीटों का दावा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार भाजपा नतीजे आने के बाद की सभी तरह की स्थितियों के लिए भी तैयारी कर रही है जिसमें कुछ कमी - ज्यादा होने पर प्लान बी की चर्चा है। इसके तहत विरोधी खेमे के कुछ नेता जो चुनाव के पहले भाजपा के साथ आना चाहते थे लेकिन किसी कारण बस नहीं आ पाए थे, अब उसके साथ आ सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने जिस तरह बीते पांच साल में तृणमूल कांग्रेस में सेंध लगा कर बार-बार कई झटके दिए हैं, वह नतीजे आने के बाद भी जारी रह सकते हैं। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि किसके पक्ष में कितनी सीटें आती हैं। हालांकि, इस मामले में भाजपा को ज्यादा लाभ मिल सकता है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस का अंदरूनी असंतोष चुनाव के दौरान भी कहीं न कहीं दिखाई दिया, जबकि भाजपा राज्य में बढ़ती हुई पार्टी है और उसके सामने ऐसी समस्याएं नहीं है।

आखिर क्यों विकराल हुआ कोरोना? कहीं पहली लहर में पैदा प्रतिरोधक क्षमता खत्म होना इसकी वजह तो नहीं!

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के तीव्र होने के पीछे चिकित्सा विशेषज्ञ मूलत: दो कारणों को जिम्मेदार मान रहे हैं। पिछली लहर में बड़े पैमाने पर लोगों का कोरोना से सामना हुआ था और कई जगह 60 फीसदी तक लोगों में एंटीबॉडीज पाई गई थी, जो नए संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोधक का कार्य करती हैं, लेकिन या तो समय के साथ ये एंटीबॉडीज नष्ट हो गई हैं या फिर नए वायरस के खिलाफ कार्य नहीं कर रही हैं।

नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर एन. एन. माथुर ने 'हिन्दुस्तान' से विशेष बातचीत में कहा कि यह सच है कि दिल्ली समेत कई राज्यों में सीरो सर्वेक्षण के दौरान बड़े पैमाने पर एंटीबॉडीज पाई गईं थीं। लेकिन इसके बावजूद कोरोना का बुरी तरह से संक्रमण यह दर्शाता है कि छह महीने पूर्व लोगों में बनी एंटीबॉडीज कमजोर पड़ चुकी हैं या खत्म हो चुकी हैं। दूसरा कारण यह हो सकता है कि वायरस के नए स्वरूप को यह पहचान नहीं पा रही हैं, इसलिए उसके संक्रमण को रोक नहीं पा रही हैं। इस पर गहन अध्ययन किए जाने की जरूरत है जिससे सही कारण सामने आएगा।

बता दें कि पहली लहर में बड़े पैमाने पर लोगों के संक्रमित होने के बाद दूसरी लहर के हल्के रहने के अनुमान थे। लेकिन दूसरी लहर में कोरोना के दो नए प्रकार यूके वैरिएंट और डबल म्यूटेशन वाला इंडियन वरिएंट जिम्मेदार पाया गया है जिससे संक्रमण तेज हुआ है। उन्होंने कहा कि यह कहना ठीक नहीं होगा कि इस बार बहुत ज्यादा लोगों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। यह समस्या पिछली लहर में भी थी। लेकिन तब मरीजों की संख्या कम थी। इसी प्रकार वेंटीलेटर पर भर्ती होने वाले मरीजों के प्रतिशत में भी कोई बदलाव हमें नहीं दिखा है। बीमारी के लक्षण भी पहले जैसे ही हैं। सिर्फ फैलाव तेज है। उन्होंने कहा कि संक्रमण के बाद वायरस जब फेफड़ों में घुसता है तो यह फेफ़ड़े में ऑक्सीजन का प्रवाह करने वाली झिल्ली के कार्य को बाधित करता है जिसके कारण कृत्रिम ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है।

डा. माथुर ने कहा कि युवा आबादी की ज्यादा सक्रियता की वजह से उनमें संक्रमण बढ़ा है चूंकि इस लहर के दौरान सभी गतिविधियां सामान्य रूप से चल रही थी इसलिए युवा आबादी ज्यादा संक्रिमत हुई है। दूसरे संक्रमण के कुल मामले ज्यादा होने से भी उसमें युवा आबादी की कुल संख्या बढ़ गई है। लेकिन ऐसा नहीं था कि पिछली बार युवा लोगों को संक्रमण कम हो रहा था, इस बार ज्यादा। माथुर दो बातें साफ कहते हैं, एक वायरस के हवा में फैलने का तात्पर्य यह नहीं है कि घर से बाहर निकलकर हवा में सांस लेंगे तो बीमारी हो जाएगी। घर या ऑफिस में यदि कोई कोरोना मरीज है तो बंद हवा में वायरस दूसरे को फैल सकता है। जबकि पहले सिर्फ नजदीकी संपर्क में आने से ही फैलता था। इसलिए जो लोग सुबह की सैर करते हैं, वह इससे डरें नहीं।

कोरोना आफत के बीच राहत, पटना महावीर मंदिर जरुरतमंदों को मुफ्त में दे रहा ऑक्सीजन, यहां करें सपंर्क

बिहार की राजधानी पटना रेलवे स्टेशन के पास स्थित सुप्रसिद्ध महावीर मन्दिर की ओर से कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए निःशुल्क ऑक्सीजन वितरण की शुरुआत की गई। शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे पटना के श्रीकृष्णानगर मुहल्ला निवासी 72 वर्षीय दीपक कुमार सिन्हा के परिजनों को पहला ऑक्सीजन सिलेंडर भरकर दिया गया। महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल ने इस कार्य का शुभारंभ किया। महावीर मन्दिर के आधिकारिक वेबसाइट mahavirmandirpatna.org पर सुबह सात बजे से ऑनलाइन बुकिंग शुरू हुई जो देर शाम तक जारी रही। बुकिंग के बाद जारी स्लिप के साथ मरीज के आधार कार्ड और निम्न ऑक्सीजन लेवल दर्शाती मेडिकल पर्ची की छायाप्रति जमा करने पर ऑक्सीजन सिलेंडर की रिफिलिंग हो रही है। आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि महावीर मन्दिर की ओर से मानवता की सेवा का यह कार्य पूरी तरह निःशुल्क है। महावीर मन्दिर ट्रस्ट ने ऑक्सीजन प्लान्ट बिठाने के लिए पूरे देश में सम्पर्क किया, किन्तु किसी ने चार महीने के पहले इसे क्रियान्वित करने का आश्वासन नहीं दिया। अतः स्थानीय स्तर पर ऑक्सीजन सस्ते में प्रबंध कर मुफ्त वितरण का निर्णय लिया गया। प्रतिदिन जितनी ऑक्सीजन की प्राप्ति होगी उसी के अनुरूप वितरण किया जाएगा।

अभी हर दिन 150 ज़रूरतमंद रोगियों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महावीर मंदिर का यह प्रयास कोरोना से लड़ाई में राम जी के सेतुबंध में गिलहरी की भूमिका जैसी सेवा होगी। आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि छोटा सिलेंडर ख़रीदने की बहुत कोशिश की गई लेकिन कहीं उपलब्ध न होने के कारण सिलेंडर का प्रबंध नहीं हो सका। इसलिए मरीज की ओर से 10.2 लीटर तक का खाली छोटा सिलेंडर लाने पर ही ऑक्सीजन दिया जा रहा है। महावीर मंदिर न्यास सचिव ने ऑक्सीजन आपूर्ति में सहयोग के लिए संजय भरतिया का विशेष आभार व्यक्त किया।

SPORTS खेल जगत

खराब फॉर्म के बाद क्या युजवेंद्र चहल की जगह को खतरा है? जानें कोच साइमन कैटिच का जवाब

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में निचले दर्जे में खिसके और नेशनल टीम की प्लेइंग इलेवन में स्थायी जगह पाने से वंचित लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का बचाव करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कोच साइमन कैटिच ने कहा है कि टीम में उनकी जगह को कोई खतरा नहीं है।

पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे चहल पिछले सीजन में खराब प्रदर्शन के कारण बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में नीचे खिसक गए। उन्हें आईपीएल के इस सीजन में भी अभी तक सात मैचों में 8.26 की इकॉनमी रेट से चार ही विकेट मिले हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच गंवाने के बाद कैटिच ने कहा, 'हम यह नहीं कहेंगे कि उसकी जगह सुरक्षित नहीं है।' चहल ने चार ओवर में 34 रन दिए जबकि पंजाब के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने 17 रन देकर दो विकेट लिए और बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार ने 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कैटिच ने कहा, 'उनके स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाजी की। विकेट धीमा हो रहा था और उन्होंने इसे बखूबी भांपा। युजवेंद्र ने अच्छी वापसी की लेकिन पहले ओवर में महंगे साबित होने के बाद वापसी करना उतना आसान नहीं होता।' आरसीबी के कोच ने हालांकि उम्मीद जताई कि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अगले मैच में हालात बदलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह दिन निराशाजनक था, लेकिन अच्छी बात यह है कि हम वापसी कर रहे हैं। अगले मैच में केकेआर के खिलाफ हम वापसी करेंगे और मैच जीतेंगे। पंजाब के खिलाफ बड़ी हार के बावजूद आरसीबी आईपीएल 2021 के लेटेस्ट प्वॉइंट टेबल में पहले की ही तरह तीसरे नंबर पर मौजूद है, क्योंकि उसके और चौथे नंबर पर विराजमान मुंबई इंडियंस के बीच चार प्वॉइंट्स का फासला है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली 31 रनों की छोटी पारी, टीम हारी लेकिन कप्तान विराट कोहली ने की जमकर तारीफ

हरप्रीत बरार के ऑलराउंड प्रदर्शन और कप्तान केएल राहुल के नाबाद 91 रन की मदद से पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को आईपीएल 2021 के 26वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 34 रन से हरा दिया। राहुल के नाबाद 91 रन की मदद से पंजाब किंग्स ने पांच विकेट पर 179 रन बनाए थे। जवाब में सितारों से सजी आरसीबी 20 ओवर में आठ विकेट पर 145 रन ही बना सकी। बैंगलोर की तरफ से कप्तान विराट कोहली ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। उनकी पारी का अंत लेफ्ट हरप्रीत ने किया। पंजाब से मैच हारने के बाद विराट ने टीम के सकारात्मक पक्षों को लेकर बात की और 31 रनों की पारी खेलने वाले रजत पाटीदार की जमकर तारीफ की।

विराट ने कहा कि, 'हमारी टीम ने तय किया था कि हम रजत पाटीदार को इस बात की छूट दें कि वे अपनी मर्जी से नबर तीन पर खुलकर खेल सकें। उनके होने से हमारी बैटिंग में बैलेंस मिलता है।' रजत की तारीफ करते हुए विराट ने कहा कि वह एक क्वालिटी प्लेयर हैं, लेकिन शुक्रवार को उनका दिन नहीं था। हमने आखिरी में पंजाब को 25 रन ज्यादा बनाने दिए। अगर हमारे टीम की तरफ से एक बैट्समैन आखिर तक खेलता तो नतीजा कुछ और हो सकता था। कोहली ने कहा कि, 'एक बल्लेबाज होने के नाते हम पारी की शुरुआत में अलग-अलग चीजें कर सकते थे। मोटेरा की पिच पर इस स्कोर को हासिल करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। हम उस समय एक पार्टनरशिप करने की कोशिश कर रहे थे और चाह रहे थे कि स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा ही हो। आखिरी में हम ऐसा नहीं कर पाए और मैच हार गए। हमारे लिए अब भी कई जगह हैं, जहां हमें मेहनत करने की जरूरत है।' इस मैच में पंजाब के लेफ्ट आर्म स्पिनर बरार ने पहले बल्ले के जौहर दिखाते हुए 17 गेंद में 25 रन बनाए और बाद में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर तीन सबसे कीमती विकेट लिए। बरार ने विराट कोहली (35), ग्लेन मैक्सवेल(0) और एबी डिविलियर्स(3) जैसे खतरनाक बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर पंजाब की जीत तय की।

ग्लेन मैक्सवेल ने दिया सुझाव, कैसे वापस ऑस्ट्रेलिया लौट सकते हैं कंगारु खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि उन्हें और उनके देश के अन्य क्रिकेटरों को इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) के बाद भारत, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाड़ियों को ले जाने वाले विशेष विमान से ब्रिटेन जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस पर सहमति व्यक्त की कि मई के आखिरी सप्ताह में इंटरनेशनल यात्रा दिशा-निर्देशों को देखने के बाद इस ऑप्शन पर विचार किया जा सकता है। भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ने के कारण भारत से ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी व्यावसायिक उड़ानें बंद कर दी गई हैं। मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड पॉडकॉस्ट' से कहा, 'हम केवल स्वदेश जाने का रास्ता ढूंढना चाहते हैं। बीसीसीआई और दोनों सरकारें समाधान निकालने के लिए काम कर सकती है। यदि हमें थोड़ा इंतजार करना होगा तो ऐसा हो सकता है लेकिन किसी चरण में स्वदेश लौटने का रास्ता तो स्पष्ट होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'भारत और इंग्लैंड को इंग्लैंड में सीरीज खेलनी है। स्थिति बद से बदतर भी होती है तो हमें इंग्लैंड में इंतजार करना होगा और विशेष विमान से भारत से बाहर जाना होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि इससे अधिकतर खिलाड़ी सहमत होंगे।' भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा और इसके लिए उन्हें आईपीएल के बाद इंग्लैंड जाना होगा। इंग्लैंड के खिलाड़ी उसी उड़ान से स्वदेश लौट सकते हैं। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि इस विकल्प पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि बोर्ड विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित घर वापसी के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। धूमल ने कहा, 'इंग्लैंड की यात्रा करके वहां से ऑस्ट्रेलिया जाने के विकल्प पर विचार किया जा सकता है। कई तरह के विकल्प हैं और बीसीसीआई निश्चित तौर पर सबसे सुरक्षित विकल्प को चुनने की कोशिश करेगा जिसमें खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से समझौता नहीं होगा।' मैक्सवेल ने कहा कि आईपीएल समाप्त होने के बाद जैव सुरक्षित वातावरण(बायो बबल) समाप्त हो जाएगा और वे सुरक्षित मार्ग से स्वदेश लौटना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी आईपीएल से हट गए हैं, लेकिन अब भी उसके 14 खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। मैक्सवेल ने कहा कि एक बार आईपीएल समाप्त होने के बाद बायो बबल भी टूट सकता है और ऐसे में आप यहां नहीं रहना चाहोगे। हमें सबसे सुरक्षित मार्ग तलाशना होगा।

देश परदेश

मिस्र- 100 साल से जिसे समझा जा रहा था पुजारी, वह निकली गर्भवती महिला की ममी! अब सवाल कि आखिर यह इतनी अलग क्यों?

मिस्र में पाई जाने वाली ममी अपने अंदर कई राज समेटे होती हैं। कई बार धीरे-धीरे इनके रहस्यों से पर्दा उठता है। ऐसा ही कुछ पोलैंड के वैज्ञानिकों को मिला जब उन्होंने पाया कि जिस ममी को एक पुजारी (Priest) का माना जा रहा था, वह दरअसल एक गर्भवती महिला की थी। वॉरसॉ ममी प्रॉजेक्ट के तहत अपनी तरह की पहली खोज करने वाले इन वैज्ञानिकों की हैरानी का ठिकाना नहीं रहा। यह टीम 2015 से प्राचीन मिस्र की ममीज पर काम कर रही है। स्कैन में जब ममी के पेट के अंदर एक छोटा सा पैर दिखा, तब उन्हें समझ आया कि उनके हाथ क्या लगा है। माना जाता रहा कि पुजारी की है यूनिवर्सिटी ऑफ वॉरसॉ के पुरातत्वविद मार्जेना ओजारेक-जील्क और उनके सहयोगी इस रिसर्च को पब्लिश करने की तैयारी में हैं। उन्होंने स्टेट न्यूज एजेंसी PAP को बताया है, 'अपने पति स्टैनिसलॉ के साथ हमने तस्वीरें देखों और उसके पेट में एक छोटा सा पैर देखा।' प्रॉजेक्ट के सह-संस्थापक वोहटेक एमंड ने CNN को बताया कि ममी को 1826 में पोलैंड लाया गया था। तब माना जा रहा था कि यह एक महिला की है लेकिन 1920 के दशक में इस पर मिस्र के पुजारी का नाम लिखा पाया गया। ..तो पता चला गर्भवती महिला है रिसर्च के दौरान कंप्यूटर टोमोग्राफी की मदद से बिना उसकी पट्टियां खोले पुष्टि की गई कि यह एक महिला की ममी थी क्योंकि इसमें पुरुषों का प्राइवेट पार्ट नहीं थी। 3डी इमेजिंग में लंबे-घुंघराले बाल और स्तनों की पुष्टि की गई। उन्होंने बताया कि महिला की जब मौत हुई तब वह 20 से 30 साल की रही होगी और भ्रूण 26-30 हफ्तों का। उसकी मौत कैसे हुई यह अभी नहीं पता चला है और यह जानने के लिए और जांच की जरूरत होगी।

खड़े हुए सवाल एक्सपर्ट्स के सामने एक बड़ी पहेली यह है कि आखिर अब तक महिला के अंदर भ्रूण कैसे रह गया? ममी बनाने के लिए मृतक के अंगों को निकाल दिया जाता था तो भ्रूण को क्यों नहीं निकाला गया। माना जा रहा है कि इसके पीछे कोई धार्मिक कारण हो सकता है। एमंड ने संभावना जताई है कि हो सकता है उन्हें लगता हो कि अजन्मे बच्चे की आत्मा नहीं होती है और वह अगले दुनिया में सुरक्षित रहेगा या हो सकता है कि उसे निकालने में महिला के शरीर को नुकसान का खतरा रहा हो। तो ऊपर क्यों लिखा था पुजारी का नाम? यह भी सवाल है कि आखिर ममी के ऊपर पुजारी का नाम क्यों लिखा था। इसके जवाब में संभावना जताई गई है कि शायद पादरी के ताबूत को चोरी कर महिला की ममी को उसमें रखा गया हो। ऐसा करने के कई मामले पहले सामने आए हैं। अमीर और प्रतिष्ठित लोगों के ताबूतों में मूल्यवान चीजें भी होती थीं और उनकी चोरी भी की जाती थी।

भारत की 40 हजार ऑक्सिजन जेनरेटर की मांग पूरी करने को दिन-रात तेजी से हो रहा काम- चीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संदेश भेजकर भारत में कोरोना वायरस महामारी पर संवेदना व्यक्त की थी और देश में कोविड-19 मामलों की बढ़ोतरी से निपटने के लिए समर्थन और सहायता प्रदान करने की पेशकश की थी। शी ने अपने संदेश में कहा था कि चीन भारत के साथ महामारी रोधी सहयोग मजबूत करने और देश को समर्थन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

पेइचिंग, भारत इस वक्त कोरोना वायरस की दूसरी वेव से जूझ रहा है और ऐसे में दुनियाभर के देश मदद को आगे आए हैं। इनमें भारत का कट्टर प्रतिद्वंदी चीन भी शामिल है। चीनी राजदूत ने ग्लोबल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में दावा किया है कि 'भारत की मांग के मुताबिक चीन मदद देने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।' रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने जिन 40 हजार ऑक्सिजन जनरेटर्स का ऑर्डर दिया है उनका उत्पादन जारी है। चीनी कंपनियां जल्द ही भारत को जरूरी मेडिकल सप्लाई मुहैया कराएंगी।

चीन में 24 घंटा चल रहा काम

सुन ने इंटरव्यू में कहा है कि चीन को उम्मीद है कि भारत सरकार के नेतृत्व में स्थानीय लोग महामारी पर जल्द ही जीत हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा, 'भारत की मदद करने में सबसे पहले चीन आगे आया है।' अप्रैल से चीन ने 5000 से ज्यादा वेंटिलेटर, करीब 22 हजार ऑक्सिजन जनरेटर, 3800 टन दवाएं और 2.1 करोड़ मास्क भेजे हैं। उन्होंने बताया है कि चीनी कंपनियां पूरा दिन काम करके तेजी से 40 हजार ऑक्सिजन जनरेटर का उत्पादन कर रहे हैं और उन्हें जल्द से जल्द डिलिवर करने की कोशिश की जाएगी। सुन ने बताया है कि कई चीनी कंपनियां और निजी संगठन भी भारत की मदद करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा है कि मेडिकल सप्लाई के साथ-साथ दोनों देशों के हेल्थ एक्सपर्ट्स के बीच संचार भी स्थापित किया जाएगा। सुन ने कहा है, 'हम जिंदगियां बचाने के लिए भारत को हर संभव मदद देंगे।' शी जिनपिंग ने भेजा संदेश

इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को

20 साल से हर साल 267 अरब टन पिघल रहे हैं धरती के ग्लेशियर, यूं ही बढ़ा समुद्र स्तर तो अरबों खतरे में

पिछले 21 साल में धरती के ग्लेशियर्स इस गति से गायब हुए हैं कि उससे समुद्र स्तर को होने वाले खतरे की गंभीरता पता चलती है। एक स्टडी में बताया गया है कि साल 2000 के बाद से हर साल 267 अरब टन ग्लेशियर गायब हुए हैं। वैश्विक समुद्र स्तर में होने वाली बढ़त का 21% हिस्सा इसी कारण रहा। फ्रांस के रिसर्चर्स ने 2 लाख ग्लेशियर्स के हाई रेजॉल्यूशन मैप्स के अनैलेसिस में यह पाया है कि ये इन दो दशकों में कैसे बदले हैं और इसमें चिंताजनक नतीजे दिखे हैं। अनैलेसिस में आशंका जताई गई है कि ग्लेशियर मास (द्रव्यमान) हर साल 48 अरब टन की दर से गायब हो रहा है। 20 साल के डेटा ने खोला राजस्टडी में बताया गया है, 'कई क्षेत्रों में मास में आए बदलाव के पैटर्न समझने से हमें अलग-अलग ट्रेंड दिखते हैं जो दशकों के बीच अलग-अलग बारिश और तापमान के बारे में बताते हैं।' यूनिवर्सिटी ऑफ टूलूज की टीम ने दुनिया के करीब सारे 2.17 लाख ग्लेशियर्स के हाई-रेजॉल्यूशन मैप देखे। इनमें सैटलाइट और एरियल तस्वीरें थीं जिनसे यहां आया बदलाव पता चला। इनके आधार पर 2000-2019 के बीच ऊंचाई में आए बदलाव का आकलन किया गया जिसकी पुष्टि डेटा से हुई। इसके आधार पर वॉल्यूम और मास में बदलाव कैलकुलेट किया गया।

तेजी से पिघल रही बर्फ

स्टडी के नतीजों में चिंताजनक बात यह सामने आई है कि इन 20 सालों में ग्लेशियर्स की बर्फ का 267 गीगाटन हिस्सा हर साल खो गया। वैश्विक समुद्र स्तर में इस दौरान जो बढ़त हुई उसका 21% हिस्सा यही रहा है। रिसर्चर्स ने ऐसे 7 क्षेत्रों की पहचान की है जहां ग्लेशियर मास लॉस का 83% हिस्सा रहा हो। सिर्फ दो क्षेत्रों में 20 सालों में ग्लेशियर से बर्फ पिघलना धीमा होता दिखा। रिसर्चर में कहा गया है कि समय के साथ ग्लेशियर कैसे पिछले और कैसे इन्होंने आज की हाइड्रॉलजी को बदला, समुद्र स्तर के बढ़ने में योगदान दिया, इसे समझने से भविष्य में बदलाव किए जा सकते हैं। अरबों के लिए खाने और पानी का संकट समुद्रस्तर बढ़ने से तटीय इलाकों में रह रहे लोगों और बर्फ में रहने वाले जीवों पर संकट खड़ा हो सकता है। स्टडी के मुताबिक करीब 20 करोड़ लोग ऐसे हैं जो इन क्षेत्रों में रह रहे हैं। ये क्षेत्र सदी के आखिर तक बढ़ते समुद्र स्तर के कारण हाई-टाइड का शिकार हो सकते हैं। एक अरब लोगों के सामने अगले तीस साल में पानी और खाने की कमी हो सकती है। रिसर्चर्स ने उम्मीद जताई है कि इन नतीजों की मदद जलवायु परिवर्तन संबंधी नीतियां बनाने में मदद मिलेगी।

मैं कोविड -19 से अब ठीक हो गई हूं, लेकिन वो कठिन समय था .- ऐक्ट्रेस एकता जैन

कोरोना पॉज़िटिव होने पर भी अपनी सोच पॉज़िटिव रखें, हार जाएगी बीमारी; एकता जैन का मंत्र

छोटे पर्दे और सिल्वर स्क्रीन की विख्यात अभिनेत्री एकता जैन, जो कई टीवी शो और फिल्मों का हिस्सा रही हैं, कोविड-19 से रिकवर हो चुकी हैं, लेकिन वो उनके लिए कठिन समय था। वो उस वक्त कोरोना पॉज़िटिव हुईं जब उन्होंने एक शूटिंग के लिए ऋषिकेश की यात्रा की।

एकता जैन ने इस बीमारी से लड़ने के संदर्भ में बताया कि "मुझे इस बीमारी के हल्के लक्षण थे। इस दौरान मैंने चार स्क्रिप्ट पढ़ने में अपना समय बिताया। मैंने मंडला पेंटिंग भी की और एफबी और इंस्टाग्राम पर लाइव चैट भी करती रही। मैंने अपनी बिल्लियों के साथ भी समय बिताया। खाना बनाना मेरा एक शौक है, इसलिए मैंने घर पर क्वारंटाइन के दौरान कई नए व्यंजन बनाने सीखे।"

उन्होंने आगे कहा, "हालांकि मैं अब ठीक हो गई हूं, लेकिन मैं लोगों से इस महामारी के सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने और सामाजिक दूरी बनाए रखने व मास्क पहनने का आग्रह करना चाहती हूं। हालांकि मुझे कुछ समय बाद अपने काम के लिए फिर से यात्रा करनी होगी लेकिन मुझे लगता है कि बिना किसी कारण के घर के बाहर किसी को भी कदम नहीं निकालना चाहिए।"

एकता जैन ने इस बीमारी से लड़ने और इतनी जल्दी इस पर काबू पाने के अपने फॉर्मूले के बारे में बताया कि देखिए कोई भी लड़ाई दिमाग से जीती जाती है। इस बीमारी से लड़ने के लिए भी आपको मानसिक रूप से मजबूत होना होगा। दिल दिमाग को निगेटिव चीजों से दूर रखके पॉज़िटिव सोच रखनी होगी। अपनी इम्युनिटी पॉवर को बढ़ाते रहना होगा। भरपूर नींद, बेहतर आहार, हल्का गर्म पानी का सेवन और बार बार साबुन से हाथ धोने को आपको अपनी जिंदगी की आदत बनानी होगी तभी हम सब इस महामारी से लड़ पाएंगे।"

गौरतलब है कि एकता जैन एक लीजेंड्री स्टार के साथ एक बड़ी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं, जिसकी औपचारिक घोषणा का इंतजार है। एकता ने खली बली,शतरंज और त्राहिमाम फ़िल्म में भी काम किया है। उन्होंने अभिनेता निर्देशक अनूप जलोटा के साथ "सत्य साईं बाबा 2" भी साइन की है।

आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा से तुलना करने पर यूजर्स पर भड़कीं कंगना रनौत, बोलीं- समझे बेवकूफ!

बॉलीवुड की पंगा क्वीन कंगना रनौत ने उन ट्रोलर्स पर भड़ते हुए फटकार लगाई है, जिन्होंने ये ट्वीट करते हुए कंगना पर आरोप लगाया है कि वह कोरोना महामारी में आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा की तरह जरूरतमंदों की मदद नहीं कर रही हैं। कंगना ने यूजर्स के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए अपना रिएक्शन देते हुए कहा है कि सोशल मीडिया लोगों की मदद करने का एकमात्र तरीका नहीं है बेवकूफ!

एक यूजर ने कंगना को ट्रोल करते हुए लिखा है कि मैंने अभी तक आपके पूरे ट्वीट में एक भी ऐसा ट्वीट नहीं देखा, जिसमें आप लोगों की मदद करने या मदद पहुंचाने की बात कही हो जैसे आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा कर रही हैं। आप सिर्फ बीजेपी सरकार की छवि सुधारने के काम जुटी हुई हैं। केवल यह स्वीकार करने में क्या लगता है कि सरकार इस संकट में विफल रही है? यूजर का जवाब देते हुए कंगना लिखती हैं कि ट्विटर लोगों की मदद करने का एकमात्र तरीका नहीं है, मैं बिस्तर, दवाइयां, टीके, ऑक्सीजन के साथ लोगों की मदद कर रही हूं ... मेरे अपना पर्सनल और प्रोफेशन सर्कल में बहुत सारे लोग हैं जो मुझे बुला रहे हैं और मदद के लिए पूछ रहा हूँ, मैं इसे गैलरी के लिए नहीं कर रहा हूं ... समझ में आया बेवकूफ!

कंगना के इस ट्विट के बाद एक और यूजर ने लिखा कि उन लोगों के लिए यह समझना मुश्किल है कि आपके जैसा एक सेलिब्रिटी प्रचार किये बिना दूसरों की मदद करेंगे। इस ट्वीट का जवाब देते हुए कंगना लिखती हैं कि वास्तव में ये जरूरी है कि जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचे, क्योंकि इस समय ऑक्सीजन और बेड के लिए कुछ लोग कालाबाजारी करने में लगे हुए हैं, मैं हमेशा दोस्तों और परिवार से उन सभी को मेरे भाई अक्षत को कॉल करने के कह रही हूं। वह अपने ट्वीट में कहती हैं उनका भाई अक्षत पूरी लगन के साथ पिछले कुछ हफ्तों से लोगों की मदद करने में लगा हुआ है।

'सोनू सूद चुनाव में खड़े हुए तो उनको करुंगा वोट', जानें किस एक्टर ने जाहिर की ये ख्वाहिश

कोरोना काल के दौरान सोनू सूद पिछले एक साल से जरूरतमंदों को मदद करते आ रहे हैं। आम लोग ही नहीं सितारे भी उनके कायल हो गए हैं। ज्यादातर फिल्मों में विलेन के रूप में दिखे सोनू सूद अब असल जिदंगी में सभी के हीरो हैं। वो जिस तरह जी जान से लोगों की मदद करने में जुटे हुए उसे देखते हुए अब एक एक्टर ने अपनी ख्वाहिश जाहिर की है कि अगर सोनू सूद चुनाव में खड़े हुए तो वो उन्हें ही वोट देंगे।

एक्टर ने किया पोस्ट

सोशल मीडिया पर अभिनेता आदित्य सील ने ये बात लिखी है। अब उनकी ये पोस्ट वायरल हो गई है। आदित्य ने सोनू सूद को टैग करते हुए लिखा- 'अगर कल को सोनू सूद चुनाव में खड़े होते हैं तो मेरा वोट उनको ही जाएगा।'

मुख्य फिल्में

आदित्य सील को फिल्म 'तुम बिन 2' से जाना जाता है। बॉलीवुड में उन्होंने मनीषा कोइराला के साथ फिल्म 'एक छोटी सी लव स्टोरी' से डेब्यू किया। आदित्य की मुख्य फिल्मों में 'नमस्ते इंग्लैंड', 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' और 'इंदु की जवानी' है। सोनू सूद ने जाहिर की चिंता

सोनू सूद ने एक वीडियो भी शेयर था जिसमें उनके फोन पर लगातार मैसेज आ रहे थे। कोई उनसे बेड तो कोई ऑक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम करने के लिए कह रहा था। इन सबके बीच अब ऐसा लग रहा है कि संक्रमितों की बढ़ती संख्या की वजह से उनके लिए भी सभी तक मदद पहुंचाना आसान नहीं हो रहा है।

अपने लेटेस्ट ट्वीट में सोनू सूद ने अपनी ये चिंता जाहिर की है। उन्होंने लिखा कि दिल्ली में इस वक्त भगवान मिल जाएं लेकिन अस्पताल में बेड मिलना बहुत मुश्किल है। सोनू सूद ने ट्वीट किया कि 'दिल्ली में इस समय भगवान ढूंढना आसान है लेकिन अस्पताल में बेड ढूंढना मुश्किल। लेकिन ढूंढ़ ही लेंगे, बस हिम्मत मत हारना।'

संभावना सेठ के पिता हुए कोविड संक्रमित, बेड नहीं मिलने पर लगाई मदद की गुहार

भोजपुरी फिल्मों की स्टार और 'बिग बॉस' फेम संभावना सेठ के पिता का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये जानकारी दी है। ऐसे वक्त में जब अस्पतालों में बेड से लेकर ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी देखी जा रही है, संभावना के पिता को भी इससे जूझना पड़ रहा है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर मदद की गुहार लगाई है। सोशल मीडिया पर मदद की लगाई गुहार ,संभावना ने बताया कि उनके पिता दिल्ली में हैं और उन्हें तुरंत बेड की जरूरत है। अपने ट्विटर अकाउंट पर संभावना लिखती हैं कि 'क्या कोई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित जयपुर गोल्डन अस्पताल में बेड दिलाने में मदद कर सकता है? दिल्ली मेरे घर से पास है। मेरे पिता कोविड संक्रमित हैं और उन्हें तुरंत बेड की जरूरत है। वो अस्पताल के बाहर मेरे भाई के साथ इंतजार कर रहे हैं।' फैंस ने की दुआ संभावना ने अपने इस ट्वीट में डॉ कुमार विश्वास और कपिल मिश्रा को टैग किया है। उनके ट्वीट के बाद कई फैंस ने अस्पतालों के लिंक साझा किए और उनके पिता के जल्द ठीक होने की दुआएं कीं। मुंबई में रहती हैं संभावना बता दें कि संभावना सेठ मुंबई में अपने पति अविनाश द्विवेदी के साथ रहती हैं। कुछ समय पहले वह राखी सावंत की मां से मिलने अस्पताल के बाहर देखी गई थीं। उन्होंने राखी की मां के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं।

जाने-माने अभिनेता बिक्रमजीत कंवरपाल का कोरोना से निधन, 52 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

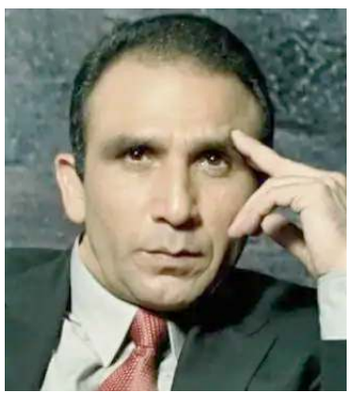

कोरोना महामारी कई लोगों पर काल बनकर आया है। इसी बीच बॉलीवुड से एक दुखद खबर आई है। जाने-माने अभिनेता बिक्रमजीत कंवरपाल का कोरोना से निधन हो गया। वो 52 वर्ष के थे। अशोक पंडित ने किया ट्वीट फिल्ममेकर अशोक पंडित ने ट्वीट कर अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा- 'सुनकर दुख हुआ। आज सुबह कोरोना की वजह से मेजर बिक्रमजीत कंवरपाल का कोविड से निधन हो गया। एक सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कंवरपाल ने कई फिल्मों और टीवी सीरियल में सहायक भूमिकाएं निभाई थीं। उनके परिवार और करीबी लोगों के प्रति मेरी संवेदना।' विक्रम भट्ट ने जताया शोक निर्देशक विक्रम भट्ट ने लिखा- 'मेजर बिक्रमजीत कंवरपाल का निधन हो गया। इस महामारी ने उन्हें हमसे छीन लिया। मैंने उनके साथ कई फिल्में की थीं।' विक्रम आग लिखते हैं कि 'प्रत्येक जीवन जो हम खो देते हैं वह केवल एक नंबर नहीं है। हम इसे एक नंबर बनने नहीं दे सकते। हर एक का विशेष मित्र, उनकी आत्मा को शांति मिले।' इसके साथ उन्होंने #Covid #Covid19 #CovidIndia हैशटैग का इस्तेमाल किया। कौन थे बिक्रमजीत बिक्रमजीत कंवरपाल का जन्म हिमाचल प्रदेश में एक आर्मी ऑफिसर के घर हुआ था। साल 2002 में वो सेना से रिटायर्ड हो गए। 2003 में उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। बिक्रमजीत ने 'पेज 3', 'पाप', 'कॉरपोरेट', 'अतिथि तुम कब जाओगे', 'मर्डर 2', 'हे बेबी', 'प्रेम रतन धन पायो' और 'गाजी अटैक' सहित अन्य फिल्में कीं।

कोरोना को मात देने के बाद अब मिलिंद सोमन करेंगे प्लाज्मा डोनेट, वीडियो शेयर कर दी जानकारी

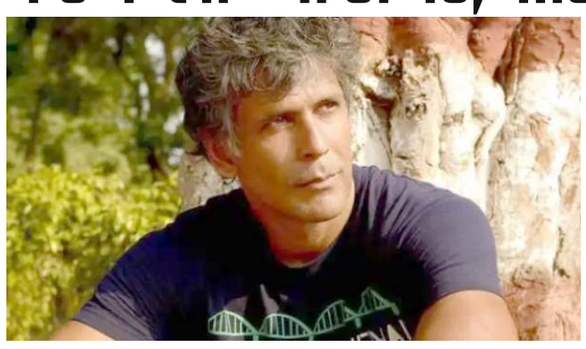

बॉलीवुड अभिनेता और फिटनेस ट्रेनर मिलिंद सोमन कोरोना को मात देने के बाद अब लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। मिलिंद सोमनभी प्लाज्मा डोनेट करने का एलान किया है। उन्होंने अपने सोशल अकाउंट से अपनी एक वर्कआउट वीडियो शेयर करते हुए दी है। उनका यह वीडियो लोगों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो को शेयर करने के साथ मिलिंद सोमन ने लिखा , 'अब मैं पूरी तरह से ठीक हूं और अब मैं अपकमिंग 10 दिनों के बाद ब्लड प्लाज्मा डोनेट करुंगा। जो कोरोना से लड़ने में और लोगों की जान बचाने में मददगार साबित होगा। शांत रहें और अपना ध्यान रखे। जो भी कर सकते हैं वो जरूर करें।'

मिलिंद सोमन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया है,उसमें वह दोनों हाथों में मुगदर लिए वर्कआउट कर रहे हैं। वह ब्लैक वह ब्लू टी-शर्ट और बॉक्सर में दिख रहे हैं। वीडियो के अलावा उन्होंने फोटो भी शेयर किया है, जिसमें वह मुगदर लिए मुस्कुरा रहा रहे हैं।

मिलिंद सोमन का कोविड टेस्ट निगेटिव आने के बाद एक्टर ने मुगदर एक्साइज करते हुए अपना वीडियो शेयर किया था।

इसके अवाला उन्होंने अपने एक औऱ अन्य पोस्ट से अपने फैंस को एक नसीहत दी थी जिसकी काफी चर्चा हुई थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा 'बीते दिन मेरे एक दोस्त का कोरोना के चलते निधन हो गया जिसकी उम्र महज 40 वर्ष ही रही होगी। यह मेरे लिए काफी शॉकिंग था।' मिलिंद आगे लिखते हैं, 'कई लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं इतना फिट हूं फिर भी मुझे कोरोना हो गया। मैं कहता हूं यदि आपकी फिटनेस और हेल्थ अच्छी है तो ये आपको वायरस से डील करने में मदद करती है लेकिन आपको इंफेक्शन से नहीं बचाती।'

कास्टिंग काउच पर ईशा अग्रवाल का खुलासा, कहा गया- 'कपड़े उतारो, रोल के लिए बॉडी देखना जरुरी'

ग्लैमर इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच की खबरें नई नहीं हैं। अब अभिनेत्री ईशा अग्रवाल ने कास्टिंग काउच पर खुलासा किया कि उनसे किस तरह की डिमांड की गई। ईशा फिल्म 'कहीं है मेरा प्यार' में जैकी श्रॉफ और संजय कपूर के साथ काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वो तमिल फिल्म 'थित्तिवसल' (Thittivasal) में नजर आई हैं।

आसान नहीं राह बनाना

शोबिज इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए ईशा कहती हैं कि छोटे शहरों से आने वाले कलाकारों को जल्दी स्वीकार नहीं किया जाता है। इसके अलावा कास्टिंग काउच तो है ही जिससे दो-चार होना पड़ता है। वेबसाइट स्पॉटब्वॉय से बात करते हुए ईशा बताती हैं कि 'मनोरंजन उद्योग में यात्रा करना आसान नहीं है। यहां बहुत मेहनत लगती हैं।'

छोटे शहरों के लोगों को होती हैं मुश्किलें 'मैं लातूर के एक छोटे से कस्बे से आती हूं। मुंबई में नाम कमाना कम चुनौती का काम नहीं है। जब आप किसी छोटे शहर से आते हैं तो लोग यह स्वीकार नहीं कर पाते कि आप ग्लैमर इंडस्ट्री के लिए हैं। यह एक बड़ी चुनौती है। मैंने किसी तरह अपने माता-पिता को मनाया था। पढ़ाई खत्म करने के बाद मैं मुंबई पहुंची और ऑडिशन के लिए देखने लगी।'

अभिनेत्री ने आपबीती बताई

कास्टिंग काउच पर ईशा बताती हैं कि 'कास्टिंग काउच अब भी एक सच्चाई है। जब मैं मुंबई में नई थी एक जाने-माने कास्टिंग करने वाले व्यक्ति ने मुझे अपने ऑफिस बुलाया था। मैं अपनी बहन के साथ वहां पहुंची थी। उसने दावा किया कि वो कई बड़े एक्टर्स को कास्ट कर चुका है और मुझे भी अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम दिलाएगा।' रोल के लिए की गई डिमांड 'तभी अचानक उसने मुझसे सारे कपड़े उतारने के लिए कहा जिससे वो मेरी बॉडी को देख सके। उसने इसकी वजह बताई कि रोल के लिए उसे देखना जरूरी है। मैंने उसे तुरंत मना कर दिया और अपनी बहन को लेकर ऑफिस से बाहर आ गई। कुछ दिनों बाद तक वह मुझे मैसेज करता रहा लेकिन जल्दी ही मैंने उसे ब्लॉक कर दिया।'

नए लोगों को सलाह

मिस ब्यूटी टॉप आफ द वर्ल्ड 2019 की विजेता रहीं ईशा अग्रवाल नए कलाकारों को सलाह देती हैं कि 'बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो ये दावा करते हैं कि वो बड़ी कास्टिंग कंपनियों के साथ काम करते हैं इसलिए उनसे सतर्क रहिए। वो आपको फिल्मों का ऑफर देकर फंसाने की कोशिश करते हैं और इसके लिए उनकी शर्तें होती हैं।

इन लोगों की बातों में ना आएं। आपको सही जगह खोजने की जरूरत है बस जहां आपका टैलेंट मायने रखता हो और कोई शर्त ना हो।'

अनुष्का शर्मा शुरुआती दिनों में विज्ञापनों में करती थीं काम, शाहरुख खान के साथ डेब्यू फिल्म से हो गईं हिट

अनुष्का शर्मा का जन्म एक मई 1988 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ। उनके पिता अजय कुमार शर्मा सेना से जुड़े हुए हैं जबकि उनकी मां आशिमा शर्मा एक होममेकर हैं। आर्मी फैमिली की वजह से अनुष्का ने अपनी पढ़ाई अलग-अलग जगहों से की है। एड फिल्मों में किया काम अनुष्का को शुरुआत से मॉडलिंग और अभिनय के क्षेत्र में रुचि थी। ग्रेजुएशन करने के बाद वो मुंबई पहुंचीं और मॉडलिंग करने लगीं। 2007 में उन्होंने लक्मे फैशन वीक से डेब्यू किया। उन दिनों अनुष्का ने कई बड़ी कंपनियों जैसे सिल्क एंड साइन, फिएट, व्हीस्पर और पैराशूट के विज्ञापन किए।

शाहरुख खान के साथ किया डेब्यू

अनुष्का शर्मा ने 2008 में आदित्य चोपड़ा की रोमांटिक ड्रामा 'रब ने बना दी जोड़ी' से डेब्यू किया। इसमें वो शाहरुख खान के अपोजिट थीं। यशराज बैनर के साथ उन्होंने तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। इसके अलावा उन्होंने 'बदमाश कंपनी' और 'बैंड बाजा बारात' की।

प्रोडक्शन हाउस की फिल्म

फिल्मों के अलावा अनुष्का अपना प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्ज भी संभालती हैं। 2015 में उनके प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'एनएच 10' रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी काफी सराहा। दिसंबर 2017 में अनुष्का ने क्रिकेटर विराट कोहली के साथ सात फेरे लिए। दोनों ने इटली में परिवारवालों और करीबी दोस्तों के बीच शादी की। अनुष्का ने जब शादी की वो 29 साल की थी।

डिजाइन शिक्षा भविष्य है

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

डिजाइन सेक्टर के परिदृश्य के प्रति सोच में बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रतिस्पर्धा डिजाइन क्षमता पर निर्भर है। डिजाइन सॉल्यूशन समय की आवश्यकता है, जो क्षमता को विकसित करने, नया करने, सहयोग करने, प्रदर्शन करने और अन्वेषण करने के लिए हैं। उत्पाद, फर्नीचर, इंटीरियर, वास्तुकला या डिजाइन में एक औपचारिक प्रशिक्षण, विभिन्न आला विशेषज्ञता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असीमित प्रक्षेपवक्र के रूप में पाया गया है। एनीमेशन, ग्राफिक, विज़ुअल डिज़ाइन, उत्पाद, यूआई, एचसीआई और यूएक्स के विशेष क्षेत्र तेजी से विकास की मांग कर रहे हैं।

भारत में डिजाइन संस्कृति का एक समृद्ध संसाधन है। वैश्विक बाजार में अपने मजबूत सामाजिक-सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से निहित सार के कारण, पुनरुत्थानवादी भारतीय कला और डिजाइन की भारी मांग है। डिज़ाइन पेशेवरों के लिए सह-कार्यशील के रूप में थिंक हाइव, दफ्तार और बी हाइव का उद्भव विकास का एक संकेत है। पेशेवरों के डिजाइन कंसोर्टियम और स्वतंत्र निकाय डिजाइनरों के समुदाय को एक साथ आदान-प्रदान और समग्र सोच के लिए एक मंच के रूप में पेश करते हैं, जिससे नैतिक अभ्यास का एक सुरक्षा जाल भी बनता है।

पेटेंट कानून से संबंधित डिजाइन कानून के अलावा और डिजाइन शिक्षा के पाठ्यक्रम के लिए कॉपीराइट ने जागरूकता की भावना पैदा की है और जागरूक डिजाइनों की एक पंथ उत्पन्न किया है। 'डिजाइन' आज एक कॉर्पोरेट दर्शन के रूप में उभर रहा है और अधिकांश सीईओ आज 'डिजाइन सोच' के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। समर्थित डिजाइन इंस्टीट्यूट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर और प्रयोग के लिए तैयार डिजाइन में कैरियर बनाने के लिए उपजाऊ आधार हैं। प्रतिष्ठित प्रबंधन के तहत कुछ भारतीय संस्थानों ने अग्रणी दृढ़ संकल्प और दृष्टि के साथ डिजाइन शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा है।

अंतर्राष्ट्रीय वर्ग के अवसर अब भारत के भीतर उपलब्ध हैं। डिजाइन का एक क्षेत्र बहुमुखी और गतिशील है, क्योंकि यह आपको विकसित करने का वादा करता है, यह आपको समय के साथ आकार देना चाहता है। डिजाइन में कैरियर चुनने के लिए पूर्व-अपेक्षित व्यक्तित्व लक्षण निम्नानुसार हैं: अवलोकन करने की कला।

अवलोकन कौशल क्षेत्र एक डिजाइन पेशेवर के लिए बहुत बड़ा वरदान है। कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने और बढ़ने की तैयारी। आजीवन सीखने के लिए दृष्टिकोण। विभिन्न डिजाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निश्चित योग्यता परीक्षा की आवश्यकताएं हैं। अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in पर देख सकते हैं।

कांग्रेस ने दिखाई दरियादिली... 'मुख्यमंत्री कोष में देगी ₹2 करोड़', प्रदेश कमेटी भी देगी ₹5 लाख

विधायक देंगे एक महीने का वेतन

मुंबई, महाविकास आघाड़ी सरकार ने राज्य के सभी नागरिकों का मुफ्त टीकाकरण करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। संकट के इस समय में जनता के प्रतिनिधि के रूप में राज्य सरकार के इस कार्य में सहयोग करने के उद्देश्य से कांग्रेस के सभी विधायक एक महीने का वेतन और मेरे एक साल का वेतन मिलाकर कुल २ करोड़ रुपए की राशि कांग्रेस पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री सहायता कोष में दी जाएगी, ऐसी जानकारी राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात ने दी।

थोरात ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी ने सभी नागरिकों का मुफ्त टीकाकरण करने का आह्वान किया। केंद्र की भाजपा सरकार ने कोरोना संकट के दौरान अपनी जिम्मेदारी से किनारा कर लिया और राज्य सरकारों को टीकाकरण की जिम्मेदारी सौंप दी। जबकि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के कारण उद्योग, व्यापार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद हैं। ऐसे में राज्यों की मदद करना तो दूर, केंद्र सरकार राज्यों के अधिकारों के हिस्सों का भुगतान भी नहीं कर रही है, ऐसा आरोप थोरात ने लगाया।

इस दौरान थोरात ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क टीकाकरण निर्णय के क्रियान्वयन में योगदान के रूप में, विधानसभा सदस्य के रूप में मेरा एक वर्ष का वेतन और कांग्रेस पार्टी के विधानसभा और विधान परिषद के ५३ विधायकों का एक माह का वेतन मिलाकर कुल २ करोड़ रुपए की राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करने का फैसला किया है। इसी प्रकार महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी भी ५ लाख रुपए का योगदान मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करेगी, ऐसा भी उन्होंने कहा।

उद्योग नीति प्रभावी ढंग से लागू होगी!... उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के हाथों औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वेब पोर्टल का उद्घाटन

मुंबई, उद्योग के क्षेत्र में महाराष्ट्र देश का अग्रणी राज्य है। महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वेब पोर्टल के माध्यम से राज्य में औद्योगिक क्षेत्र के विकास की गति पर ध्यान दिया जाएगा। राज्य के आर्थिक चक्र को तेज करने, राज्य की उद्योग नीति को निर्धारित करने और इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ-साथ नीतियों की नियमित समीक्षा करने के लिए यह वेब पोर्टल उपयोगी साबित होगा, ऐसा विश्वास उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने व्यक्त किया।

मंत्रालय में उपमुख्यमंत्री कार्यालय समिति कक्ष के सभागृह में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के हाथों योजना विभाग के वित्त और सांख्यिकी महानिदेशालय और उद्योग विभाग के उद्योग निदेशालय द्वारा बनाए गए 'महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वेब पोर्टल' का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया। इस दौरान उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, उद्योग राज्य मंत्री अदिति तटकरे, अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना) देबाशीष चक्रवर्ती, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) बलदेव सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि राज्य में 'कोरोना' संक्रमण की शृंखला को तोड़ने के लिए 'ब्रेक द चेन' के तहत प्रतिबंध लगाए गए हैं। राज्य सरकार ने इस दौरान आम जनता को राहत देने के लिए लगभग ५,५०० करोड़ रुपए का राहत पैकेज दिया है।

उपयोगी साबित होगा वेब पोर्टल'- उद्योग मंत्री सुभाष देसाई

उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कहा कि महाराष्ट्र उद्योग के क्षेत्र में देश का एक अग्रणी राज्य है। यह वेबसाइट राज्य के औद्योगिक क्षेत्र की प्रगति को समझने के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। हम उद्योग के क्षेत्र में महाराष्ट्र की निश्चित जगह को समझेंगे। राज्य के हर जिले के उद्योग अधिकारी इस वेबपोर्टल पर आवश्यक आधुनिक जानकारी उपलब्ध कराएंगे। उद्योग और उत्पादन योजना की प्रगति के लिए वेब पोर्टल उपयोगी साबित होगा, ऐसा विश्वास देसाई ने व्यक्त किया। 'महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वेब पोर्टल' के उद्घाटन समारोह में उद्योग और सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों, उद्योगपतियों के प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन भाग लिया।

6 महीने में टीकाकरण पूरा करने की योजना.... राजेश टोपे की घोषणा

- ✪ 5 करोड़ 71 लाख नागरिकों को लगेगा टीका मुफ्त
- ✪ रु. 6,500 करोड़ खर्च की मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

मुंबई, राज्य ने १८ से ४४ वर्ष के ५ करोड़ ७१ लाख नागरिकों को मुफ्त में टीका लगाने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया है। यह कार्यक्रम ६ महीने में पूरा करने की योजना राज्य सरकार की है, ऐसी जानकारी स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने दी। उन्होंने कहा कि १८ से ४४ वर्ष के ५ करोड़ ७१ लाख नागरिकों का टीकाकरण करने के लिए १२ करोड़ वैक्सीन की आवश्यकता है, इसके लिए ६,५०० करोड़ रुपए की मंजूरी वैâबिनेट की बैठक मे दी गई है।

केंद्र सरकार द्वारा १८ से ४४ वर्ष तक के लोगों के टीकाकरण का तीसरा चरण १ मई से शुरू करने की घोषणा करने के बाद सभी जगहों पर टीकाकरण को लेकर चर्चाएं शुरू थीं लेकिन वैक्सीन की कमी के कारण राज्य में इस वर्ग के लिए १ मई से टीकाकरण शुरू नहीं होगा, ऐसी घोषणा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही अगले छह महीनों में १८ से ४४ वर्ष के बीच के नागरिकों का टीकाकरण करने की योजना राज्य सरकार बना रही है, ऐसा भी टोपे ने बताया। पहले पंजीयन कराएं फिर केंद्र पर आएं राज्य में १ मई से टीकाकरण शुरू नहीं होगा। वैक्सीन की खुराक उपलब्ध नहीं। यदि मई के अंत तक वैक्सीन की खुराक उपलब्ध होती है तो भी एक बार में टीकाकरण करना संभव नहीं है इसलिए युवाओं से मेरी विनम्र अपील है कि हम सभी को मुफ्त में टीका देंगे लेकिन हमें समझदारी से काम करना होगा। पंजीकरण के लिए कोविन ऐप का उपयोग करना अनिवार्य है इसलिए पंजीकरण किए बिना कोई भी सीधे केंद्र पर न जाएं और टीके की मांग न करें।

कार्रवाई के बावजूद बेधड़क निकल रहे हैं लोग

भायंदर, कोविड को लेकर पूरे राज्य में संचारबंदी लागू है। सरकार इस महामारी से लड़ने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रही है।

संचारबंदी के दौरान अत्यावश्यक सेवाओं के लिए छूट दी गई है तथा आम जनता के लिए गाइडलाइंस जारी की गई है। फिर भी पब्लिक है कि मानती ही नहीं है। वह बिलावजह सड़कों पर नजर आ रही है।

शहर में कोरोना महामारी का प्रसार रोकने के लिए प्रशासन के लोग दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लोगों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ ना करें तथा अनावश्यक घर से बाहर नहीं निकलें व सरकार की गाइडलाइंस का पालन करें। इसके बावजूद भी सड़कों पर जाम लगा देखा जा सकता है। इस संबंध में जोन-१ के डीसीपी अमित काले ने बताया कि क्षेत्र में जगह-जगह नाकाबंदी की गई है और उस दौरान रोज सैकड़ों लोगों पर कार्रवाई की जा रही है, लेकिन लोग हैं कि मानते ही नहीं हैं। काले ने अपील की कि लोग प्रशासन का सहयोग करें। जरूरी ना हो तो घर से बाहर न निकलें।

भायंदर पूर्व व पश्चिम को जोड़नेवाले पुल पर पुलिस चेकिंग अभियान के दौरान सैकड़ों गाड़ियां कतार में खड़ी दिखाई पड़ीं। बता दें कि सप्ताह में ५ दिन सोमवार से शुक्रवार सुबह ७-११ बजे तक जरूरी चीजों की खरीदारी की छूट दी गई है और शनिवार-रविवार पूर्णत: बंद किया गया है। पुलिस सख्ती के बावजूद भी लोग घर से बाहर निकलने से बाज नहीं आ रहे हैं।

केंद्र की गलत नीति की सजा भुगत रहा है देश-पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई, देश में आज ऑक्सीजन की कमी से पैदा हुई विकट स्थिति के लिए पूरी तरह से केंद्र सरकार जिम्मेदार है। यह बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पांच महीने पहले एक प्रेस कॉन्प्रेंस में स्वास्थ्य सचिव ने कहा था कि हम मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति के मामले में बहुत अच्छी स्थिति में हैं। पिछले १० महीनों में मेडिकल ऑक्सीजन की न कोई कमी हुई है और न ही आगे कोई कमी होगी। देशभर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताते हुए केंद्रीय सचिव ने कहा था कि केंद्र सरकार ने देशभर के ३९० अस्पतालों में पीएसए प्रकार के ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। कोरोना के संभावित बढ़ते मामलों के मद्देनजर सरकार ने १ लाख टन मेडिकल ऑक्सीजन आयात करने की प्रक्रिया शुरू की है लेकिन आज जो ऑक्सीजन की स्थिति है, उसे देखते हुए यह स्पष्ट है कि केंद्र सरकार ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में बुरी तरह विफल रही है, जिसके परिणामस्वरूप एक अभूतपूर्व ऑक्सीजन संकट पैदा हुआ है।

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

बर्बाद होने से मनपा ने बचाया अरबों लीटर पानी!

मनपा के जल विभाग की टीम ने शिवड़ी में अरबों लीटर पानी बर्बाद होने से बचाया है। टनल शाफ्ट में बड़े रिसाव की संभावना को महज ढाई घंटे की मरम्मत के बाद टालने में जल विभाग की टीम को सफलता मिली है। खास बात यह है कि इस बीच कहीं भी पानी की आपूर्ति बंद नहीं की गई। मनपा क्षेत्र में नागरिकों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए सतत काम कर रही है। मनपा के जल अभियंता विभाग क्षेत्र में लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नियमित रूप से काम कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले शिवड़ी इलाके में एक टनल शाफ्ट में पाइप लीकेज के चलते पानी का रिसाव हो रहा था। पाइप सड़ने के चलते बड़े रिसाव की संभावना थी। अरबों लीटर पानी बर्बाद हो सकता था। उधर कोरोना महामारी के बीच इस रिसाव को ठीक करना एक चुनौती थी लेकिन जल अभियंता और जल कार्य विभाग ने इस चुनौती को स्वीकार कर मात्र ढाई घंटे में मरम्मत कार्य पूरा कर लिया है। खास बात यह है कि यह काम किसी भी हिस्से की पानी की आपूर्ति को बंद किए बिना ही कुशलतापूर्वक किया गया है। सहायक जल अभियंता अजय राठौड़ के नेतृत्व में इस काम को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

केंद्र सरकार से सुप्रीम सवाल...क्यों नहीं खरीद रहे वैक्सीन की 100% खुराक?

देश में कोरोना संक्रमण बढ़ने से देश के नागरिक त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। इसके बावजूद केंद्र की मोदी सरकार के कानों तक लोगों की चीखें नहीं पहुंच रही हैं। सरकार वैक्सीन, ऑक्सीजन आदि को लेकर झूठ पर झूठ बोले जा रही है। जब यह मामला हद पार कर गया तो अंत में कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने इसको संज्ञान में लेते हुए केंद्र सरकार को फटकार लगाई थी। इसके बाद भी केंद्र सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया और नागरिकों के साथ-साथ कोर्ट को भी अंधेरे में

रखा। अब फिर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई है। बता दें कि शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र से पूछा कि निरक्षर लोग जिनके पास इंटरनेट नहीं है वो वैक्सीन के लिए पंजीकरण कैसे कराएंगे? जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि 'राष्ट्रीय टीकाकरण नीति' का पालन किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि वह कोविड-१९ वैक्सीन की १००% खुराक क्यों नहीं खरीद रहा है?

टीकों के निर्माण में तेजी लाएं

सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ ने पूछा कि टैंकरों और सिलिंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं? जस्टिस ने कहा कि दिल्ली में जमीनी स्थिति यह है कि ऑक्सीजन वास्तव में उपलब्ध नहीं है और गुजरात और महाराष्ट्र में भी यही स्थिति है। सरकार को हमें यह बताना होगा

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।